डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram Channel Search @rojgaraurnirman

मध्यप्रदेश में कोरोना वॉलेंटियर्स को किया जायेगा सम्मानित - मुख्यमंत्री

तीसरी लहर को रोकने के लिए अधिक से अधिक प्रदेशवासी बनें वॉलेंटियर

भोपाल, कोरोना नियंत्रण में प्रदेश के जन-भागीदारी मॉडल ने देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्राम, वार्ड, जनपद, शहरों और जिलों में जनता के साथ आने तथा क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों द्वारा जिम्मेदारी लेकर जनता कर्फ्यू में सहयोग करने के परिणामस्वरूप ही प्रदेश में कोरोना नियंत्रित हो पाया है। 'मैं कोरोना वॉलेंटियर अभियान' भी इस पूरी मुहिम का सशक्त अंग रहा है। कोरोना को नियंत्रित रखने और तीसरी लहर को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर प्रदेशवासियों को इस अभियान से जोड़ना होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय से 'मैं कोरोना वॉलेंटियर' अभियान के अंतर्गत पंजीकृत वॉलेंटियर्स तथा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगरौली, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, शहडोल, सतना, ग्वालियर और भोपाल के कोरोना वॉलेंटियर्स से वर्चुअली बातचीत भी की। 'मैं कोरोना वॉलेंटियर' अभियान से अब तक 1 लाख 19 हजार 730 से अधिक व्यक्ति जुड़े हैं। इनमें से लगभग 61 हजार से अधिक वालेंटियर्स ने वैक्सीनेशन समन्वयक, चिकित्सा सुविधा समन्वयक, मास्क जागरूकता समन्वयक, मोहल्ला टोली संगठन समन्वयक और दान श्रेणी के अंतर्गत प्रतिदिन सक्रिय रहते हुए अपना योगदान दिया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कोरोना वॉलेंटियर अभियान के अंतर्गत पंजीकृत वॉलेंटियर्स से वर्चुअल चर्चा करते हुये।

कोरोना वॉलेंटियर्स को प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेंगे

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना वॉलेंटियर्स तथा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी धर्मों में पीड़ित व्यक्ति की मदद को सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। कोरोना की आपदा सदियों में आया भयानक संकट है। ऐसे में पीड़ित मानवता की सेवा के लिए अपनी जान को खतरे में डालते हुए आगे आये वॉलेंटियर्स के समर्पण और कर्मठता को देखकर मैं अभिभूत हूं। कोरोना वॉलेंटियर्स को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।

वॉलेंटियर्स को अभी निभानी होगी जिम्मेदारी

श्री चौहान ने कहा कि कोरोना नियंत्रण में है पर अभी चुनौती खत्म नहीं हुई है। कोरोना अनुकूल व्यवहार के पालन के लिए लोगों को जागरूक करना और उसका पालन सुनिश्चित कराना बड़ा दायित्व है। यह कोरोना वॉलेंटियर्स के बिना संभव नहीं होगा। वॉलेंटियर्स को अपने गांव और वार्ड की जिम्मेदारी लेनी होगी। टेस्टिंग, कांटेक्ट ट्रेसिंग, किल कोरोना अभियान लगातार चलते रहेंगे। इन गतिविधियों से ही हम तीसरी लहर को रोक पायेंगे।

वॉलेंटियर्स ने साझा किये अनुभव

श्री चौहान ने सिंगरौली की सुश्री आरती बंसल, उज्जैन के श्री रूपेश परमार, शहडोल के श्री अंचल श्रीवास्तव, इन्दौर के श्री प्रखर दुबे, जबलपुर के श्री प्रमोद, सतना की सुश्री कीर्ति दुबे और ग्वालियर के श्री अंशुमन शर्मा से कोरोना वॉलेंटियर के रूप में उनके अनुभवों को साझा किया।

रेड जोन में नहीं है कोई भी जिला

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड संक्रमण की दृष्टि से अब प्रदेश का कोई भी जिला रेड जोन में नहीं है। किसी भी जिले की पॉजिटिविटी 5 प्रतिशत से अधिक नहीं है। प्रदेश कोरोना संक्रमण से तेजी से बाहर निकल रहा है। शीघ्र ही प्रदेश को पूर्ण रूप से कोरोना संक्रमण मुक्त किए जाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं।

एनीमिया मुक्त भारत

अभियान के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में अव्वल

भोपाल, एनीमिया मुक्त भारत अभियान में मध्यप्रदेश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। एनीमिया मुक्त भारत के वर्ष 2020-21 के इण्डेक्स में मध्यप्रदेश प्रथम रहा है। वर्ष 2019-20 में भी मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर था। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान में प्रदेश को प्रथम स्थान मिलने पर बधाई दी हैं।

वर्ष 2020-21 के एनीमिया मुक्त भारत स्कोर-कार्ड में मध्यप्रदेश को मिली प्रथम रैंक में 64.1 प्रतिशत वैल्यू आंकी गई है, जो पूरे देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में आयरन फोलिक एसिड कवरेज अंतर्गत 6 से 59 माह के बच्चों का कवरेज 36.3 प्रतिशत, 5 से 9 वर्ष के बच्चों का कवरेज 71.6 प्रतिशत, 10 से 19 वर्ष के बच्चों का कवरेज 66.3 प्रतिशत, गर्भवती महिलाओं का कवरेज 95 प्रतिशत और धात्री माताओं का कवरेज 51.3 प्रतिशत रहा, जो अन्य प्रांतों से अधिक है।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 25 जुलाई को होगी आयोजित

भोपाल, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा (2020) अब 25 जुलाई 2021, (रविवार) को आयोजित होगी। कोरोना महामारी के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए और समग्र परिस्थितियों का मूल्यांकन करते हुए एवं अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा (2020) की तिथि 20 जून 2021 को परिवर्तित करते हुए नवीन तिथि 25 जुलाई 2021 निर्धारित की गई है।

खास खबर

मध्यप्रदेश में बारहवीं बोर्ड की परीक्षाएं नहीं होंगी - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में इस वर्ष बारहवीं बोर्ड की परीक्षा नहीं होगी। इस समय जब सम्पूर्ण देश, प्रदेश तथा बच्चे कोरोना का संकट झेल रहे हैं, ऐसे में परीक्षाओं का मानसिक बोझ डालना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12वीं बोर्ड के परिणाम किस प्रकार आएंगे, यह तय करने के लिए मंत्रियों के समूह का गठन किया गया है। जो विशेषज्ञों से चर्चा करने के उपरांत आंतरिक मूल्यांकन या अन्य आधारों पर रिजल्ट की प्रक्रिया तय करेगा। श्री चौहान ने कहा कि बेहतर परिणाम के लिए या परिणाम में सुधार के लिए जो विद्यार्थी परीक्षा देना चाहेंगे उनके लिए विकल्प खुला रहेगा।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना

आजीविका मिशन के प्रयासों से ग्रामीण युवाओं को मिला रोज़गार

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाय) के तहत निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त ग्रामीण क्षेत्र के 816 युवक-युवतियों को देश की निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों में रोज़गार के अवसर दिये गये हैं।

कोरोना काल में जहां चलती हुई नौकरियों पर संकट मंडरा रहा है। वहीं इस स्थिति में युवाओं को नई नौकरी मिलना किसी वरदान से कम नहीं है, खासतौर पर पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र की निर्धन परिवारों की युवतियों को नौकरी के लिये कर्तव्य स्थल तक पहुंचने के लिये कंपनी द्वारा भोपाल से हैदराबाद तक हवाई जहाज से यात्रा करने की सुविधा मिलेगी ऐसा सपने में उन्होंने भी नहीं सोचा था।

मध्यप्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा डीडीयू-जीके योजना के तहत ग्रामीण निर्धन परिवारों के युवक-युवतियों को 3 से 6 माह की लघु अवधि के निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षणों के माध्यम से बाजार में मांग के अनुरूप कौशल उन्नयन कर विभिन्न उद्योगों एवं सेवा क्षेत्रों से जोड़ा जा रहा है।

वर्तमान में जहां सम्पूर्ण देश में कोरोना महामारी एवं कोरोना कर्फ्यू से सभी कारोबार प्रभावित हैं। आजीविका मिशन द्वारा डीडीयू-जीके योजना के अंतर्गत बाजार में उपलब्ध रोज़गार के अवसरों की पहचान कर युवाओं को संवहनीय आजीविका, रोज़गार एवं स्व-रोज़गार से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। यह योजना केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत संचालित है, जिसे राज्यों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आजीविका मिशन के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है।

मध्यप्रदेश में माह अप्रैल एवं मई में डीडीयू-जीके योजना के माध्यम से 816 युवाओं को रोज़गार से जोड़ा गया है। प्रदेश के बाहर एवं प्रदेश में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों जैसे- ट्राइडेण्ट-सीहोर, महिमा फाइवर पीथमपुर, स्नाइडर इलेक्ट्रिक हैदराबाद, आइसर मोटर्स पीथमपुर, रिलायंस रिटेल, बिग बास्केट, मदर सन इंडिया मैगनम ग्रुप, अपोलो यूरिलाइफ, एजिस कस्टमर सर्विस, श्रोति टेलीकॉम, वॉलसन्स सिक्युरिटी आदि प्रमुख नियोक्ता हैं। इन कंपनियों में नौकरी प्राप्त करने वाले युवा प्रदेश के विभिन्न जिलों सागर, उज्जैन, गुना, कटनी, रतलाम, विदिशा, होशंगाबाद, रीवा, बालाघाट, नीमच, छिंदवाड़ा एवं सीहोर के रहने वाले हैं।

वैज्ञानिक पद्धति से हो 12वीं कक्षा का आंतरिक मूल्यांकन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उच्च शिक्षा विभाग एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में 12वीं कक्षा की परीक्षाएं नहीं होंगी, परन्तु जो विद्यार्थी चाहेंगे बाद में परीक्षा दे सकेंगे। आंतरिक मूल्यांकन का काम वैज्ञानिक पद्धति से होगा तथा मंत्रियों का समूह विषय विशेषज्ञों से चर्चा कर इसकी प्रक्रिया के संबंध में निर्णय लेगा। उच्च शिक्षा विभाग एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की परीक्षाएं गत वर्ष के अनुसार ही होंगी। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की बैठक में दिये।

ओपन बुक आधार पर होगी परीक्षाएं

उच्च शिक्षा की परीक्षाएं गत वर्ष अनुसार ओपन बुक पद्धति से होंगी। निर्धारित तिथि तथा समय पर विद्यार्थी को ऑनलाइन प्रश्न पत्र प्राप्त होगा, जिसका उत्तर वह घर बैठे ही उत्तर पुस्तिका में लिखकर नजदीकी संग्रहण केंद्र में जमा करा देगा। जिन विद्यार्थियों के घर पर इंटरनेट सुविधा नहीं होगी उन्हें नजदीकी शिक्षा संस्थान में परीक्षा देने की सुविधा दी जाएगी।

जून में परीक्षाएं और जुलाई में परिणाम

स्नातक तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा जून 2021 में होंगी तथा परिणाम जुलाई 2021 में आएगा। इसी प्रकार स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं जुलाई 2021 में होंगी तथा परिणाम अगस्त 2021 तक आएगा। प्रदेश के 8 विश्वविद्यालयों में स्नातक कक्षाओं में कुल 14 लाख 88 हजार 958 तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में 3 लाख 8 हजार 117 परीक्षार्थी हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

29 मई

एम्स ने मेडिकल कोर्सेज में एडमिशन के लिये होने वाली परीक्षा का नया शेड्यूल जारी किया

● अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने पोस्ट ग्रेजुएशन मेडिकल कोर्सेज में प्रवेश के लिये आयोजित होने वाली इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस कंवाइंड (आईएनआई-सीईटी) परीक्षा का नया शेड्यूल जारी किया है। अब यह परीक्षा ऑनलाइन मोड में 16 जून 2021 को आयोजित की जायेगी। एम्स द्वारा जारी किये गये नये शेड्यूल नोटिस के अनुसार कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुये जुलाई 2021 सत्र के लिये पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेज में प्रवेश के लिये आईएनआई सीईटी परीक्षा का नया शेड्यूल तैयार किया गया है। इस परीक्षा के लिये एडमिट कार्ड 9 जून को जारी किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि एम्स में पोस्ट ग्रेजुएशन मेडिकल कोर्स जैसे एमडी, एमएस, डीएम, एमसीएच और एमडीएम में प्रवेश के लिये आईएनआई सीईटी परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

● भारत के सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख में तनाव वाले क्षेत्रों से जब तक पूरी तरह चीनी सैनिकों की वापसी नहीं हो जाती, तब तक भारत भी अपने सैनिकों को पीछे नहीं हटायेगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिये भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है। जनरल नरवणे ने कहा कि भारत इस समय ऊंचाई वाले सभी महत्वपूर्ण इलाकों पर अपनी पकड़ मजबूत बनाये हुये है।

● रूस के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बाद नाटो बड़े युद्धाभ्यास में जुट गया है। नाटो के सैनिक वॉरशिप और एयरक्राफ्ट के साथ अटलांटिक और काले सागर में अभ्यास कर रहे हैं। इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य रूस के किसी भी हमले या उकसावे वाली कार्यवाही का जवाब देना है। अप्रैल महीने में रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास बड़ी संख्या में सैनिक तैनात किये थे। इसी के बाद से रूस और नाटो के बीच तनाव जारी है। उल्लेखनीय है कि नाटो (नॉर्थ एटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) उत्तरी अमेरिका और यूरोप के देशों का एक संगठन है।

30 मई

आईसीएमआर ने गरारे से कोरोना टेस्ट को दी मंजूरी

● भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने गरारे से कोरोना टेस्ट करने की विधि को मंजूरी प्रदान की है। इस टेस्ट विधि को नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (नीटी) ने ईजाद किया है। इस टेस्ट के तहत कोरोना संक्रमण की जांच के लिये स्वाब की जरूरत नहीं होगी। इसमें व्यक्ति को एक सेलाइन को अपने मुंह में रखना होगा और 15 सेकेंड तक गरारा करना होगा। इसके बाद सेलाइन को एक ट्यूब में थूकना होगा। इस सेलाइन को लैब में भेजकर कोरोना की जांच होगी। इस टेस्ट विधि के तहत महज तीन घंटे में कोरोना संक्रमण का पता लगाया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि इस टेस्ट से समय की बचत होगी और संक्रमण का खतरा भी कम होगा।

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (एनसीएचएम जेईई) परीक्षा के लिये रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की अंतिम तिथि आगे बढ़ा दी है। विद्यार्थी अब इस परीक्षा में शामिल होने के लिये 20 जून तक आवेदन कर सकते हैं। पहले यह समय-सीमा 31 मई 2021 तक थी। एनटीए ने इस संबंध में जारी एक नोटिस में कहा है कि कोरोना संक्रमण के कारण एनसीएचएम जेईई के फॉर्म भरने में विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाई को देखते हुये रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की समय-सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। एनटीए ने कहा कि इस परीक्षा के लिये विद्यार्थियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। परीक्षा की नई तारीखों की घोषणा शीघ्र की जायेगी।

● फेसबुक के स्वामित्व वाली सोशल मीडिया कंपनी वॉट्सएप ने अपनी नई प्राइवेसी पॉलिसी पर फैसले में बदलाव किया है। वॉट्सएप ने कहा कि हमने अपनी योजना बदल दी है। अब 15 मई से लागू हुई गोपनीयता नीति को मंजूर नहीं करने वाले यूजर्स के लिये सेवाएं सीमित नहीं की जायेंगी। वॉट्सएप ने कहा कि नई गोपनीयता नीति किसी भी कार्य क्षमता को प्रतिबंधित नहीं करेगी। भले ही यूजर्स अभी के लिये उसकी नीति स्वीकार न करे। हालांकि कंपनी ने कहा कि वह यूजर्स को समय-समय पर इसकी याद दिलाती रहेगी।

31 मई

जापान में 20 जून तक बढ़ी इमरजेंसी

● जापान की राजधानी टोक्यो और अन्य क्षेत्रों में कोरोना महामारी के कारण लगी इमरजेंसी को 20 दिनों के लिये बढ़ा दिया गया है। यह इमरजेंसी 20 जून तक प्रभावी रहेगी। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने इमरजेंसी बढ़ाने की घोषणा करते हुये कहा कि कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि के कारण यह निर्णय लिया गया है। जापान में 23 जुलाई से ओलिंपिक खेलों का आयोजन होना है। 20 जून को ओलिंपिक आयोजकों को फैसला करना होगा कि ओलिंपिक खेलों में दर्शकों को अनुमति मिलेगी या नहीं। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति और टोक्यो ओलिंपिक आयोजन समिति ने पहले ही कह दिया है कि सख्त वायरस रोकथाम उपायों के साथ ही ओलिंपिक खेलों का आयोजन किया जायेगा।

● नेपाल सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें बहाल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। नेपाल सरकार ने चीन, कतर और तुर्की के लिये सभी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू की हैं। ये उड़ानें सप्ताह में एक बार संचालित होंगी, वहीं भारत के लिये प्रत्येक सप्ताह जाने वाली दो उड़ानें अभी निलंबित रखी गई हैं। इन उड़ानों को भारत में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कारण निलंबित किया गया था। नेपाल के नागरिक उड्डयन मंत्री भानू भक्त धकल ने कहा कि नेपाली और विदेशी नागरिकों की यात्राओं को आसान बनाने के लिये सप्ताह में एक दिन चीन सहित तीन देशों की अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू की गई हैं।

1 जून

ईपीएफ के सदस्य दूसरी बार ले सकेंगे कोरोना एडवांस

● कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान अपने सदस्यों को दूसरी बार नॉन रिफंडेबल कोविड-19 एडवांस का लाभ लेने की छूट दी है। ईपीएफओ ने कहा कि पहले एडवांस ले चुके सदस्य भी इस योजना का फायदा उठा सकते हैं। ईपीएफओ के अनुसार दूसरे एडवांस योजना का प्रावधान और प्रक्रिया पहले जैसी है। इसके तहत सदस्य तीन महीने का मूल वेतन और महंगाई भत्ते की राशि अथवा भविष्य निधि खाते में जमा राशि की 75 प्रतिशत राशि, जो भी कम हो, के लिये आवेदन कर सकते हैं। ईपीएफओ ने कहा कि यह योजना विशेषकर उन लोगों के लिये हैं, जिनका मासिक वेतन 15000 रुपये से कम है।

● वियतनाम में कोरोना का नया वैरिएंट मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। कोरोना वायरस का यह वैरिएंट हवा में फैलने के बाद घातक हो जाता है। वियतनाम की सरकार ने नये वैरिएंट के मिलने के बाद देश के सबसे बड़े शहर हो ची मिन्ह शहर के सभी 90 लाख लोगों की जांच की योजना बनाई है। सरकार ने इस शहर में कई तरह की पाबंदियां भी लगा दी हैं। इस शहर में दो सप्ताह तक एक जगह पर 10 से ज्यादा लोग इकट्ठे नहीं हो सकते हैं। साथ ही गैर जरूरी सेवाओं के व्यापार पर भी रोक लगाई गई है।

● चीन ने अपने नागरिकों के लिये टू चाइल्ड पॉलिसी को रद करने का ऐलान किया है। चीन की सरकार समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार चीन में अब हर जोड़े को तीन बच्चे पैदा करने की इजाजत होगी। यह फैसला राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अगुवाई में हुई पोलित ब्यूरो की बैठक में लिया गया। शिन्हुआ के अनुसार हाल में जारी जनसंख्या के आंकड़ों में पता चला कि चीन की आबादी कई दशकों की तुलना में सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ी है। उल्लेखनीय है कि चीन ने 1979 में बन चाइल्ड पॉलिसी लागू की थी, जिसे 5 साल पहले खत्म कर टू चाइल्ड पॉलिसी लागू की गई थी।

2 जून

सीबीएसई की कक्षा बारहवीं की परीक्षा हुई रद्द

● विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को देखते हुये केंद्र सरकार ने केंद्रीय माध्यमिक

शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा को रद कर दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में परीक्षा को रद करने का फैसला लिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। कोरोना संक्रमण के इस दौर में विद्यार्थियों पर परीक्षा में शामिल होने का दबाव नहीं डालना चाहिये। मौजूदा समय में ये परीक्षाएं छात्रों की जान को जोखिम में डालने वाली हो सकती हैं, इसलिये इन्हें रद करना ही ठीक है। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई की कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षाएं पहले ही रद की जा चुकी हैं।

● विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चीन की कोरोना वैक्सीन सिनोवैक बायोटेक के आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। ये चीन में बनी दूसरी कोरोना वैक्सीन है, जिसे डब्ल्यूएचओ की तरफ से मंजूरी मिली है। इससे पहले चीन की दवा कंपनी सिनोफार्म की वैक्सीन को भी डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने एक बयान में कहा कि डब्ल्यूएचओ ने सिनोवैक-कोरोनावैक वैक्सीन को मंजूरी दी है। यह वैक्सीन सुरक्षा, प्रभाव और निर्माण के लिहाज से अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करती है।

● ब्रिटिश सरकार ने लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर रेड लिस्ट वाले देशों से आने वाले यात्रियों के लिये नया टर्मिनल खोल दिया है। दरअसल ब्रिटेन ने कोरोना संक्रमण से जोखिम वाले देशों को रेड लिस्ट में डाल दिया है, जिसमें भारत भी शामिल है। रेड लिस्ट वाले देशों से सीधी उड़ानों से आने वाले यात्री अब हीथ्रो हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 से सीधे ब्रिटिश सरकार द्वारा बनाये गये क्वारेंटाइन सेंटर में जायेंगे। इसके बाद यात्रियों को वहां निर्धारित क्वारेंटाइन नियम मानने होंगे।

3 जून

डीसीजीआई ने विदेशी टीकों को मंजूरी देने के नियम में दी छूट

● भारत की दवा नियामक संस्था औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने विदेशों में बने कोरोना के टीकों को भारत में ट्रायल से नहीं गुजरने की छूट दी है। डीसीजीआई ने कहा कि इस नियम के तहत उन विदेशी टीकों को ट्रायल्स से छूट मिलेगी, जिन्हें अमेरिका के खाद्य एवं ड्रग्स प्रशासन, ब्रिटेन के ईएमए, ईके, एमएचआरए और जापान के पीएमडीए से मंजूरी मिली है। डीसीजीए ने कहा कि भारत में तैयार होने वाली वैक्सीन के हर बैच के सैंपल की जांच कसौली स्थित सेंट्रल ड्रग्स लेबोरेटरी में होगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका दवा कंपनियां मॉडर्ना और फाइजर ने भारत सरकार से ट्रायल में छूट की मांग की थी। डीसीजीए ने कहा कि अब सिर्फ पहले 100 लोगों को जो टीके लगाये जायेंगे, उनमें वैक्सीन की सेफ्टी जांच की जायेगी। यह प्रक्रिया सात दिन में पूरी होगी और इसकी रिपोर्ट मिलते ही सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) की ओर से संबंधित दवा कंपनी को देश में वैक्सीनेशन की इजाजत दी जायेगी।

● इसाक हर्जोग को इजराइल का 11वां राष्ट्रपति चुना गया है। हर्जोग वर्तमान राष्ट्रपति रेवेन रिवलिन का स्थान लेंगे। रिवलिन का सात वर्षीय कार्यकाल जुलाई में खत्म होगा। हर्जोग ने राष्ट्रपति पद के लिये प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार मिरियम पेरेट्ज को हराया। इजराइली सासंद में राष्ट्रपति चुनाव के लिये 120 सांसदों ने वोट डाले। हर्जोग को 87 वोट मिले, जबकि बहुमत का आंकड़ा 61 था। उल्लेखनीय है कि हर्जोग संसदीय चुनाव में मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ खड़े हुये थे, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

● कोरोना महामारी के चलते पिछले वर्ष सम्पूर्ण भारत में लगाए गये लॉकडाउन का सकारात्मक असर पर्यावरण पर पड़ा है। लॉकडाउन से वायु प्रदूषण तो कम हुआ ही, इसके अलावा बड़े शहरों में जमीन की सतह का तापमान भी कम हुआ है। यह जानकारी यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्पटन और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड द्वारा किये गये एक अध्ययन रिपोर्ट में कही गई है। इस अध्ययन में देश के 6 प्रमुख शहर- मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु के वातावरण में आये बदलाव का आकलन किया गया है।

4 जून

शिक्षक पात्रता परीक्षा का प्रमाण-पत्र अब जीवन भर के लिये होगा मान्य

● केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के दौर में विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने कहा है कि अब शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के प्रमाण-पत्र की वैधता आजीवन रहेगी। एक बार शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करने के बाद विद्यार्थी जीवनभर शिक्षक की नौकरी के लिये पात्र रहेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) की सिफारिशों को मंजूरी दी है। एनसीटीई ने अक्टूबर-2020 में टीईटी प्रमाण-पत्र को आजीवन मान्य करने की सिफारिश की थी। शिक्षा मंत्रालय ने इस फैसले को वर्ष 2011 से लागू करने के निर्देश दिये हैं। शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों से कहा कि जिन विद्यार्थियों की पात्रता वर्ष 2011 के बाद समाप्त हो गई है, उन्हें नये सिरे से पात्रता प्रमाण-पत्र दिये जायें और प्रमाण पर आजीवन वैधता दर्ज की जाये। उल्लेखनीय है कि अब तक शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रमाण-पत्र की वैधता सात वर्ष की थी। इसके बाद विद्यार्थी को फिर पात्रता के लिये परीक्षा देनी होती थी।

● चीन ने दक्षिणी प्रांत ग्वांगदोंग में कोरोना महामारी के संक्रमण के नये केस सामने आने के बाद एक बार फिर यात्रा प्रतिबंध लागू कर दिये हैं। अब ग्वांगदोंग से आने वाले लोगों के लिये कोरोना जांच करवाना अनिवार्य होगा। ग्वांगदोंग की प्रांतीय सरकार ने घोषणा करते हुये कहा कि विमान, ट्रेन, बस या कार से ग्वांगदोंग से आने-जाने वाले लोगों को पिछले 72 घंटे में कराई गई जांच की रिपोर्ट दिखानी होगी। इसके अलावा प्रांतीय सरकार ने मुख्य सड़कों पर ट्रक चालकों के लिये जांच केंद बनाने के निर्देश दिये हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 38, अंक 23 07.06.2021 से 13.06.2021

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-

रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011

फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**

रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

राज्य सरकार हर कदम पर बच्चों के साथ

हम कोविड के महासंकट में अनाथ हुये बच्चों को यह अहसास नहीं होने देंगे कि उनके माता-पिता नहीं हैं। हम हर बच्चे की उंगली थामेंगे। कोरोना के कारण अनाथ हुये सभी बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, भोजन और आर्थिक सुरक्षा का ध्यान रखा जायेगा। बच्चे मेहनत करें, अपने माता-पिता के सपनों को साकार करें। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल में 'मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना' के पात्र हितग्राही बच्चों को वर्चुअली पेंशन राशि वितरण करने के अवसर पर बोल रहे थे। योजना के शुभारंभ पर 130 परिवारों के 173 बच्चों के खातों में प्रति बच्चा प्रति माह 5 हजार रुपये के मान से सिंगल क्लिक से राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने योजना के हितग्राही बच्चों और बच्चों के संरक्षकों से वर्चुअली संवाद किया। उल्लेखनीय है कि कोरोना के कारण जिन बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया है, उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराने और उनके गरिमापूर्ण जीवन-निर्वाह के लिये 'मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना' शुरू की गई है। 21 मई 2021 से शुरू इस योजना में बच्चों को 5 हजार रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता, निःशुल्क राशन और बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश एक भयानक त्रासदी से गुजरा है। ऐसी महामारी सैकड़ों सालों में एक बार आती है। कोरोना की पहली लहर का प्रकोप कम था परन्तु दूसरी लहर में संक्रमितों की संख्या अप्रत्याशित रूप से तेजी से बढ़ी और वायरस की अधिकता के कारण कई लोग हमारा साथ छोड़ गये। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेरी जिन्दगी का सबसे भयानक दौर था। सम्हालने के कई प्रयासों के बाद भी हम कई भाई-बहनों को बचा नहीं पाये। मासूम बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठने से स्थिति अधिक पीड़ादायक बनीं। जिन घरों में माता-पिता अब दोनों ही नहीं हैं, वहां वेदना बहुत अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे बच्चों को दर-दर की ठोकरें खाने के लिये नहीं छोड़ा जा सकता है। सरकार और समाज को इन बच्चों का दायित्व लेना होगा। कोविड के प्रकोप में प्रभावित हुये बच्चे अपने आप को अकेला नहीं समझें उनकी पूरी चिंता की जायेगी। राज्य सरकार ने प्रत्येक बच्चे के लिये 5 हजार रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता, ऐसे बच्चों और उनके संरक्षक को प्रति माह निःशुल्क राशन और पढ़ाई की व्यवस्था की है। समाज भी इस दिशा में आगे आ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों की निःशुल्क पढ़ाई की व्यवस्था की जायेगी। यदि बच्चा 9वीं से 12वीं में निजी स्कूल में पढ़ता है, तो साल में एकमुश्त 10 हजार रुपये की सहायता दी जायेगी। शासकीय अनुदान प्राप्त कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों की व्यवस्था भी की जायेगी। जो बच्चे जेईई मेन्स परीक्षा या इसी प्रकार की अन्य परीक्षा के द्वारा निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाते हैं तो उन्हें 1.50 लाख रुपये तक का शुल्क शासन द्वारा प्रदान किया जायेगा। नीट परीक्षा से प्रवेश पर शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों का पूरा शुल्क राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेगा। कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट के द्वारा या राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में या दिल्ली विश्वविद्यालय में 12वीं कक्षा के बाद होने वाले एडमिशन में कॉलेजों का समस्त शुल्क राज्य सरकार देगी। पढ़ाई के लिये लैपटॉप या टैबलेट की आवश्यकता होगी तो उसकी व्यवस्था भी की जायेगी। कोविड संकट के दौर में अनेक बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया है। मध्यप्रदेश सरकार ऐसे बच्चों की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी ले रही है। यह सरकार का सराहनीय कदम है।

खास रसायन की पहचान

एक नये जैव रसायन की खोज वैज्ञानिकों द्वारा की गयी है। इस रसायन की मौजूदगी पृथ्वी पर मौजूद लगभग सभी जीवों में है। ग्लाइकॉन शुगर अणुओं की श्रृंखलायें हैं, जो ग्लाकोसिलेशन नामक प्रक्रिया में वसा और प्रोटीन से संबंद्ध होती हैं। इसके साथ ही यह एक सेल के माध्यम से उनके परिवहन में मदद करती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह जीव विज्ञान की नई मूलभूत प्रक्रियाओं में शामिल है, भ्रूण के विकास से लेकर रोगजनकों की पहचान तक। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने कहा कि यह रसायन न दुर्लभ है और न इसे खोजना मुश्किल है, सिर्फ इतना है कि किसी ने इसे पहले देखने के लिये नहीं सोचा था। बायोकेमिस्ट कैरोलिन बटोजजी की मानें तो बायो-मोलेक्यूल्स के नये वर्ग की आश्चर्यजनक खोज है। खोज से पता चलता है कि कोशिका में जैव-आणविक मार्ग है, जो हमारे लिये पूरी तरह से अज्ञात है। दरअसल वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में कोशिकाओं को ग्लाइकान अणुओं को सियालिक एसिड के साथ जोड़कर आर.एन.ए. को अलग किया। निश्चित रूप से कुछ शुद्ध आर.एन.ए. में सियालिक एसिड लेबल वाली शुगर कोटिंग थी। फिर उन्होंने इंसान, चूहे, हम्सटर और जेब्राफिश जैसी प्रजातियों की प्रत्येक कोशिका के भीतर ग्लाइको आर.एन.ए. की मौजूदगी का पता लगाया। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस दिशा में और शोध की जरूरत है, क्योंकि ग्लाइको आर.एन.ए. के कार्य अभी भी रहस्य हैं, उनकी खोज से प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़े कई जवाब मिल सकते हैं।

- देवेश तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

पर्यावरण संरक्षण आज भी विश्व की सर्वोच्च प्राथमिकता है

पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में प्रति वर्ष पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का निश्चय संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिये वर्ष 1972 में किया था। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पांच से सोलह जून तक आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद प्रति वर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाने का संकल्प लिया गया। पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को ही विश्व में मनाया गया था। वैश्विक सहभागिता के लिये आरम्भ में मुख्य आयोजन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय न्यूयॉर्क में ही होता था। मगर वर्ष 1987 में इसके केंद्र को बदलते रहने का सुझाव सामने आया और उसके बाद से ही इसके आयोजन के लिए अलग-अलग देशों को चुना जाता है। इस आयोजन में हर साल 143 से अधिक देश हिस्सा लेते हैं और इसमें कई सरकारी, सामाजिक और व्यावसायिक संगठन, पर्यावरणविद् और विषय विशेषज्ञ पर्यावरण की सुरक्षा, समस्या आदि विषय पर बात करते हैं। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन ही पूरा विश्व पर्यावरण संरक्षण के मार्ग में आने वाली चुनौतियों के समाधान की राह खोजता है। विश्व पर्यावरण दिवस जनसामान्य में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक आयोजन है। इसका मुख्य उद्देश्य हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाना और दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर नजर रखना है।

पर्यावरण के घटक को समझने से ही पर्यावरण का संरक्षण सुगम होगा

पर्यावरण संरक्षण से पूर्व यह जानना जरूरी है कि पर्यावरण के घटक क्या हैं, क्योंकि इसी से पर्यावरण का संरक्षण सुगम होगा। पर्यावरण के जैविक संघटकों में सूक्ष्म जीवाणु से लेकर कीड़े-मकोड़े, सभी जीव-जंतु और पेड़-पौधों के अलावा उनसे जुड़ी सारी जैव क्रियाएं और प्रक्रियाएं भी शामिल हैं। जबकि पर्यावरण के अजैविक संघटकों में निर्जीव तत्व और उनसे जुड़ी प्रक्रियाएं आती हैं, जैसे- पर्वत, चट्टानें, नदी, हवा और जलवायु के तत्व इत्यादि होते हैं। सामान्य अर्थों में यह हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों, तथ्यों, प्रक्रियाओं और घटनाओं से मिलकर बनी इकाई है। यह हमारे चारों ओर व्याप्त है और हमारे जीवन की प्रत्येक घटना इसी पर निर्भर करती और संपादित होती है। मनुष्यों द्वारा की जाने वाली समस्त क्रियाएं पर्यावरण को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। मानव हस्तक्षेप के आधार पर पर्यावरण को दो भागों में बांटा जा सकता है, जिसमें पहला है प्राकृतिक या नैसर्गिक पर्यावरण और मानव निर्मित पर्यावरण। यह विभाजन प्राकृतिक प्रक्रियाओं और दशाओं में मानव हस्तक्षेप की मात्रा की अधिकता और न्यूनता के अनुसार है। पर्यावरणीय समस्याएं जैसे प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन इत्यादि मनुष्य को अपनी जीवन शैली के बारे में पुनर्विचार के लिये प्रेरित कर रही हैं और अब पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन की आवश्यकता महत्वपूर्ण है। आज हमें सबसे ज्यादा जरूरत है पर्यावरण संकट के मुद्दे पर आम जनता

और सुधी पाठकों को जागरूक करने की।

तीन साल पहले जब भारत को विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी मिली

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन साल पहले अपने लोकप्रिय रेडियो टीवी कार्यक्रम 'मन की बात' में यह कहा था कि वर्ष 2018 में विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी भारत को मिलना जलवायु परिवर्तन संबंधी मुद्दों पर भारत की नेतृत्व क्षमता को विश्व समुदाय द्वारा स्वीकार करने का स्पष्ट संदेश है। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से प्लास्टिक के प्रयोग को नकारने की भी अपील की थी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत की मेजबानी में पर्यावरण मंत्रालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से विश्व समुदाय को भी अवगत भी कराया था।

पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पक्षों को पारिभाषित करते हैं तयशुदा लक्ष्य

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रति वर्ष एक लक्ष्य का निर्धारण संयुक्त राष्ट्र द्वारा किया जाता है इसे 'थीम ऑफ दी ईयर' कहा जाता है। वर्ष 2021 में विश्व पर्यावरण दिवस की थीम है 'फिर से कल्पना करें, फिर से बनाएं, फिर से पुनर्स्थापित करें', इस लक्ष्य का मंतव्य पर्यावरण प्रदूषण से मुक्त विश्व के निर्माण, ऐसे विश्व की कल्पना करना और ऐसे विश्व को पुनर्स्थापित करना है। वर्ष 2021 में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन पाकिस्तान में होना तय हुआ है। विश्व पर्यावरण दिवस पर तय की गई थीम उस लक्ष्य को पारिभाषित करती है जो पर्यावरण संरक्षण के लिए तय किये जाते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस की पिछले दस सालों की थीम की यदि हम बात करें तो वर्ष 2020 की थीम थी- प्राकृति के लिये समय, वर्ष 2019 की थीम थी- वायु प्रदूषण को हराओ, वर्ष 2018 की थीम थी- प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ, वर्ष 2017 की थीम थी- लोगों को प्रकृति से जोड़ना-शहर में और जमीन पर, ध्रुवों से भूमध्य रेखा तक और वर्ष 2016 की थीम थी- अवैध वन्यजीव व्यापार के लिये जीरो टॉलरेंस। इसी परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2015 की थीम थी- सेविन बिलियंस ड्रीम, वन प्लेनेट कंज्यूम विथ केयर, वर्ष 2014 की थीम थी- अपनी आवाज उठाओ, न कि समुद्र स्तर। वर्ष 2013 की थीम थी- सोचो, खाओ, बचाओ और नारा था अपने फूडप्रिंट को घटाओ, वर्ष 2012 की थीम थी- हरित अर्थव्यवस्था : क्या इसने आपको शामिल किया है?, वर्ष 2011 की थीम थी- जंगलः प्रकृति आपकी सेवा में और वर्ष 2010 की थीम थी- बहुत सारी प्रजाति, एक ग्रह और एक भविष्य।

कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण के बदलाव पर भी विचार हो

पहले भी जब-जब इस प्रकार की भयानक महामारियां आई हैं, तब-तब पर्यावरण ने सकारात्मक करवट ली है। कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण में आ रहे इस बदलाव पर भी विचार होना चाहिए। कोरोना संक्रमण काल में प्रकृति का यह बदला हुआ रूप मानवीय जीवन के लिए भले ही क्षणिक राहत वाला हो, परंतु जब संक्रमण का खतरा पूरी तरह खत्म हो जाएगा, तब क्या पर्यावरण की यही स्थिति बरकरार रह पाएगी? यह एक बड़ा सवाल विश्व के सामने आयेगा। जब सभी देशों के लिए विकास की रफ्तार को तेज करना न केवल आवश्यक होगा, बल्कि मजबूरी भी होगी, तब क्या ऐसे कदम उठाए जाएंगे जो प्रकृति को बिना क्षति पहुंचाए सतत् विकास की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

वर्तमान स्थिति को प्रकृति की ओर से दी हुई चेतावनी समझनी चाहिए जो मनुष्य की जीवन शैली और विकास प्रक्रिया के तौर-तरीकों को बदलने का अवसर प्रदान करती है। महामारी के बाद आर्थिक विकास की रफ्तार को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर अमर्यादित दोहन भी किया जाता है। ऐसे में कोरोना महामारी से उत्पन्न अल्पकालिक पर्यावरणीय सुधार से बहुत अधिक खुश होने की जरूरत नहीं है, बल्कि मानव, प्रकृति और आर्थिक विकास के अंतर्संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है। एक और विचारणीय मुद्दा यह भी है कि संकट के इस दौर में मनुष्य के अति-भौतिकवाद, उत्पादनवाद और उपभोगवाद को विकास का पर्याय मान लेने की मानसिकता पर भी मंथन होना चाहिए। आधुनिकता की चकाचौंध से लोगों में व्यक्तिवाद और सुखवाद की प्रवृत्ति बढ़ी है। मानवीय उत्थान के लिए तो ये चीजें अच्छी लगती हैं, लेकिन नई-नई वैज्ञानिक तकनीकों द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र को नियंत्रित करने की मनोवृत्ति ने पर्यावरणीय विसंगति को जन्म दिया है उस पर भी गौर किया जाना चाहिए।

महत्वपूर्ण है भारत में पारित पर्यावरण संरक्षण अधिनियम

पर्यावरण संरक्षण को कानूनी तौर पर मजबूती प्रदान करने के लिए भारतीय संसद ने 1986 को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम पारित किया था। इस अधिनियम के अन्तर्गत पर्यावरण में जल, वायु, भूमि इन तीनों से संबंधित कारक तथा मानव, पौधों, सूक्ष्म जीव, अन्य जीवित पदार्थ आदि को शामिल किया गया था। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के कई महत्वपूर्ण बिंदु हैं जैसे- पर्यावरण की गुणवत्ता के संरक्षण हेतु सभी आवश्यक कदम उठाना, पर्यावरण प्रदूषण के निवारण, नियंत्रण और उपशमन हेतु राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम की व्यापक योजना बनाना और उसे क्रियान्वित करना, पर्यावरण की गुणवत्ता के मानक निर्धारित करना और पर्यावरण सुरक्षा से संबंधित अधिनियमों के अंतर्गत राज्य-सरकारों, अधिकारियों और संबंधितों के काम में समन्वय स्थापित करना। अधिनियम में ऐसे क्षेत्रों का परिसीमन करना भी शामिल है, जहां किसी भी उद्योग की स्थापना अथवा औद्योगिक गतिविधियां संचालित न की जा सकें। उक्त अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर दण्ड का प्रावधान भी है।

राजा दुबे
(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेन्सी एरिया, इंदौर

विज्ञप्ति

क्र.-530/प.-8/2021 इंदौर, दिनांक : 02.06.2021

आयोग द्वारा कोरोना महामारी के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए एवं समग्र परिस्थितियों का मूल्यांकन करते हुए तथा अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2020 की तिथि 20.06.2021 को परिवर्तित करते हुए नवीन तिथि **25.07.2021 (रविवार)** निर्धारित की जाती है।

जी-13053/45563/2021 परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

ई-मेल : sepheprocgwl@gmail.com, दूरभाष क्रमांक : 0751-2365438, 4031502
(पानी की टंकी के नीचे, मुरार, ग्वालियर)

क्रमांक 2779/नि.प्र./मु.अ./लो.स्वा.यां./21-22 ग्वालियर, दिनांक : 28.05.2021

प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भोपाल द्वारा सूचीबद्ध संस्थाओं से निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 29.05.2021 से दिनांक 08.06.2021 सायं 5:30 बजे तक क्रय तथा **दिनांक 29.05.2021 से दिनांक 08.06.2021 सायं 5:30 बजे तक** ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विड खोलने का दिनांक 10.06.2021 है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्य का संक्षिप्त विवरण :- जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों की गुणवत्ता निरीक्षण के लिये तृतीय पक्ष निरीक्षण संस्थाओं (TPIAs) की नियुक्ति। मंडल पन्ना अंतर्गत जिला-टीकमगढ़ एवं निमाड़ी समूह-ई।

स. क्र.	नि.आ.सू. क्र./दि.	टेण्डर आई.डी.	अनु. लागत (PAC) (रु. लाख में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	आमंत्रण की संख्या	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	03/ 28.05.21	2021_PHED_ 144282_1	255.00 लाख	रु. 2,55,000/-	रु. 15,000/-	पंचम	36 माह

अधीक्षण यंत्री (प्राक्योरमेंट)
कार्यालय मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
जी-12940/45557/2021 ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड छिंदवाड़ा
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा जारी करने का दिनांक : 17.05.2021

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्यूरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित है निविदाओं हेतु निविदा प्रपत्र डाउनलोड/क्रय करने की दिनांक 17 मई 2021 समय 10:30 बजे से प्रारंभ है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

कार्य का नाम :- छिंदवाड़ा जिले के खंड छिंदवाड़ा अधीन विकासखंड सौंसर के ग्रामों की शालाओं एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में जल जीवन मिशन कार्यक्रम अंतर्गत भू-स्तरीय टंकी निर्माण एचडीपीई टंकी, सिंगलफेस पंप स्थापना कर नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल व्यवस्था समस्त आवश्यक सामग्री सहित सम्पूर्ण कार्य। **(As per BOQ)**

ई-टेण्डर आई.डी. क्र.	निविदा क्रमांक दिनांक	विकास खण्ड	शालाएं एवं आंगनवाड़ी संख्या	अनुमानित लागत (रुपये लाख में)	अमानत राशि रुपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि समय	निविदा खोलने की नियत दिनांक	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने समय अवधि
2021_ PHED_ 124672_1	128/ 17.05.21	सौंसर	शाला आंगनवाड़ी	60.44	60440	10000	07.06.21 5:30 PM	10.06.21 1:00 PM	नवीन केन्द्रीकृत पद्धति पर 'स' एवं उससे ऊपर	90 दिन
2021_ PHED_ 124683_1	129/ 17.05.21	सौंसर	शाला आंगनवाड़ी	89.28	89280	10000	07.06.21 5:30 PM	10.06.21 1:00 PM	'तदैव'	90 दिन
2021_ PHED_ 124689_1	130/ 17.05.21	सौंसर	शाला आंगनवाड़ी	51.23	51230	10000	07.06.21 5:30 PM	10.06.21 1:00 PM	'तदैव'	90 दिन
2021_ PHED_ 124692_1	131/ 17.05.21	सौंसर	शाला आंगनवाड़ी	61.66	61660	10000	07.06.21 5:30 PM	10.06.21 1:00 PM	'तदैव'	90 दिन
2021_ PHED_ 124696_1	132/ 17.05.21	सौंसर	शाला आंगनवाड़ी	72.05	72050	10000	07.06.21 5:30 PM	10.06.21 1:00 PM	'तदैव'	90 दिन
2021_ PHED_ 124697_1	133/ 17.05.21	सौंसर	शाला आंगनवाड़ी	59.19	59190	10000	07.06.21 5:30 PM	10.06.21 1:00 PM	'तदैव'	90 दिन

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क कैश-कार्ड ए.टी.एम. कम डेविट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउंट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाइन पर ही क्रय किए जा सकते हैं।
विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

जी-12946/45559/2021 कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, छिंदवाड़ा, म.प्र.

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 789/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 31.05.2021

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 18.06.2021 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकता है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख में)
1.	2021_WRD_144611	**टर्न की पद्धति पर** :- खामोद आंजना बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इन्दौर	234.75
2.	2021_WRD_144613	**टर्न की पद्धति पर** :- खलखला बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इन्दौर	286.33
3.	2021_WRD_144614	**टर्न की पद्धति पर** :- हरियाखेड़ी बैराज का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इन्दौर	273.08
4.	2021_WRD_144698	सतसोई तालाब अंतर्गत अंजनगांव DC के मेहतियाखेड़ी गांव के 11 KV/LT लाइन/DTR शिफ्टिंग का कार्य। सीमित नहीं।	धार/ खरगोन	25.09

जी-13039/45562/2021 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

Government of Madhya Pradesh
Public Health Engineering Department

NIT No. 08 To 17/EE/PHED/2021-22 Satna, Date : 27.05.2021

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

Name of Work : Water supply arrangement in school and aanganwadi in different blocks of district Satna (M.P.)

NIT No.	E-Tender No.	Block	Group No.	PAC (In Lakh)	EMD (Rupees)	Document Fee (Rupees)	Time Limit	Tender Invitation
08	2021_PHED_ 144048_1	Nagod	2	139.56	1,40,000/-	12500	60 Days	Secound Call
09	2021_PHED_ 144049_1	Majhgawan	1	138.19	1,39,000/-	12500	60 Days	Secound Call
10	2021_PHED_ 144050_1	Majhgawan	5	124.45	1,25,000/-	12500	60 Days	Secound Call
11	2021_PHED_ 144051_1	Maihar	2	137.14	1,38,000/-	12500	60 Days	Secound Call
12	2021_PHED_ 144052_1	Maihar	4	138.46	1,39,000/-	12500	60 Days	Secound Call
13	2021_PHED_ 144053_1	Maihar	5	122.26	1,23,000/-	12500	60 Days	Secound Call
14	2021_PHED_ 144054_1	Unchehara	1	137.42	1,38,000/-	12500	60 Days	Secound Call
15	2021_PHED_ 144055_1	Unchehara	2	141.55	1,42,000/-	12500	60 Days	Secound Call
16	2021_PHED_ 144056_1	Unchehara	3	128.47	1,29,000/-	12500	60 Days	Secound Call
17	2021_PHED_ 144057_1	Unchehara	4	134.20	1,35,000/-	12500	60 Days	Secound Call

1. Interested bidders can view the NIT on website http://www.mptenders.gov.in
2. Bid Document can be Seen and downloaded from the website http://www.mptenders.gov.in upto 08.06.2021 PM
3. The bid can be submitted in electronic format on the website http://www.mptenders.gov.in. The deadline for submission of the bid is up to 08.06.2021, 05:30 PM.
4. Amendments to NIT, if any, would be published on website http://www.mptenders.gov.in only, and not in newspapers.

Executive Engineer
PHE Division Satana
Mobile No. : 9479989357

G-12941/45558/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड होशंगाबाद

दूरभाष क्रमांक 07574-252571, (फैक्स) 07574-253119
Email Address - eephedhos@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

होशंगाबाद जिले के विकासखण्ड सोहागपुर एवं बाबई के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नवीन नलजल योजनाओं एवं रेट्रोफिटिंग योजनाओं के क्रियान्वयन कार्य हेतु पाइप लाइन बिछाना, घरेलू नल कनेक्शन, मोटर पंप स्थापना, आर.सी.सी. ओवर हैड टैंक निर्माण, आर.सी.सी. ब्रिक मेशनरी पंर हाउस निर्माण, विद्युत संयोजन कार्य एवं अन्य सिविल कार्य इत्यादि हेतु निम्नलिखित ई-निविदाएं वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सूचना क्रमांक/दिनांक	ई-टेण्डर क्रमांक	विकास खण्ड	ग्रामों की संख्या	निविदा की कुल लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
28/27.05.2021 तृतीय आमंत्रण	144022	बाबई	06	2,05,81,000/-	2,05,810/-	15,000/-	270 दिवस (वर्षाकाल सहित)
29/27.05.2021 तृतीय आमंत्रण	144198	सोहागपुर	04	96,25,300/-	96253/-	10,000/-	270 दिवस (वर्षाकाल सहित)

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि : **09.06.2021 17.00 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि : 09.06.2021 17.00 बजे
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि : 10.06.2021 17.00 बजे

निविदा प्रपत्र ऊपर दर्शित वेबसाइट पर ऑनलाइन क्रय एवं ऑनलाइन प्रस्तुत किये जावेंगे। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर ही संशोधन देखा जा सकेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-12890/45554/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड होशंगाबाद

SECTION -1
Notice Inviting Tender
Directorate of Health Services
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
National Health Mission Division Bhopal & Jabalpur
2nd Floor Satpura Bhawan Bhopal

NIT No. 02/2021-22/e-tendering/216 Dated 27.05.2021

Online percentage rate bids for the following works (Two Cover System) are invited from registered contractors and Firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No.	Tender No_20 20_DHS	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. In lakh)	Earnest Money Deposit EMD (Rs.)	Tender Cost (Rs.)	Period of Completion
1.	2021_DHS 144070	Up gradation and Construction of 10 Bedded Maternity Ward at PHC Kurawar (Civil and Electrical Work) Block Narsinghpur District Rajgarh	43.58	50000/-	5000/-	06 months Including Rainy Season
2.	2021_DHS 144072	Up gradation and Construction of 10 Bedded Maternity Ward at PHC Gulabganj (Civil and Electrical Work) Block Kruwal District Vidisha	44.04	50000/-	5000/-	06 months Including Rainy Season
3.	2021_DHS 144073	Up gradation and Construction of 10 Bedded Maternity Ward at PHC Pathari (Civil and Electrical Work) Block Gayaraspur District Vidisha	44.04	50000/-	5000/-	06 months Including Rainy Season

1. Interested bidders can view the detailed NIT on the website **https://mptenders.gov.in**
2. The Bid Document can be purchased only online from **31.05.2021 10.30 AM to 14.06.2020 17.30**
3. Amendments of NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Executive Engineer,
National Health Mission, Division Bhopal & Jabalpur
2nd Floor Satpura Bhawan Bhopal

G-12855/45556/2021

ऑनलाइन जॉब फेयर के लिये माई एमपी रोज़गार पोर्टल पर मिलेगी सूचना

पोर्टल से घर पर ही काउंसलिंग प्राप्त कर सकेंगे आवेदक

भोपाल, कोविड-19 महामारी की स्थिति के कारण जहां एक ओर नियोजक अपने पास उपलब्ध रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए निर्धारित योग्यताधारी आवेदकों के चयन की प्रक्रिया नहीं कर पा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर बेरोज़गार आवेदकों को साक्षात्कार की सूचना प्राप्त नहीं हो पा रही है। इस समस्या के समाधान के लिये रोज़गार संचालनालय के माई एमपी रोज़गार पोर्टल (www.mprojgar.gov.in) पर वर्चुअल प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया गया है। जिसके माध्यम से आवेदक अपने घर से ही काउंसलिंग प्राप्त कर सकते हैं और ऑनलाइन साक्षात्कार भी दे सकते हैं।

इस सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए नियोजकों को अपने जिले के रोज़गार कार्यालय में दूरभाष और ई-मेल के माध्यम से संपर्क करना होगा एवं रिक्ति के संबंध में विस्तृत विवरण देना होगा। प्राप्त विवरण के आधार पर रोज़गार कार्यालय द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन जॉब फेयर क्रिएट किया जाएगा। क्रिएट जॉब फेयर की जानकारी पोर्टल के होम पेज पर प्रदर्शित होगी। इच्छुक आवेदक संबंधित जॉब फेयर पर अपना आवेदन कर सकता है। वर्चुअल साक्षात्कार का आयोजन रोज़गार अधिकारी द्वारा किया जाएगा एवं नियोजक और आवेदक दोनों को सूचित किया जाएगा।

अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़कर हुई तीस जून

भोपाल, राज्य शासन ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों द्वारा खरीफ 2020 एवं रबी 2020-21 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़ा कर 30 जून, 2021 कर दी है। पूर्व में खरीफ 2020 सीजन में अल्पावधि फसल ऋण की देय तिथि 31 मई, 2021 थी और रबी 2020-21 सीजन में दिये गये अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि 15 जून, 2021 थी, इन्हें बढ़ाया गया है।

उप सचिव सहकारिता श्री मनोज सिन्हा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा लिये गये निर्णय के परिपेक्ष्य देय तिथि की बढ़ी हुई अवधि के लिये शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजनान्तर्गत निर्धारित बेस रेट 10 प्रतिशत के अंतर्गत एक प्रतिशत (सामान्य) ब्याज अनुदान प्रत्येक किसान को तथा 4 प्रतिशत (अतिरिक्त) ब्याज अनुदान देय तिथि तक ऋण का भुगतान करने वाले किसानों को उपलब्ध कराया जायेगा। योजना की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण लॉकडाउन के मद्देनजर राज्यों द्वारा लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिये जाने एवं किसानों को इस दौरान अपने बकाया अल्पकालीन फसली ऋण के पुनर्भुगतान में कठिनाईयों/दंडात्मक ब्याज का भुगतान करने की स्थिति का सामना न करना पड़े और उन्हें 4 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर अल्पावधि फसल ऋण का लाभ मिलता रहे, जो कि समय पर भुगतान करने पर उन्हें मिलता है, के लिये अवधि 30 जून, 2021 तक बढ़ाई गई है।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बैंकों द्वारा दिये गये 3 लाख रुपये तक के लघु अवधि के फसली ऋण जो एक मार्च 2021 और 30 जून 2021 के बीच चुकौती के लिये बकाया हो, उन पर बैंकों को 2 प्रतिशत ब्याज सहायता और किसानों को 3 प्रतिशत शीघ्र चुकौती प्रोत्साहन की उपलब्धता 30 जून 2021 तक या वास्तविक भुगतान की तारीख तक, जो भी पहले हो जारी रहेगी।

आयुष्मान भारत योजना में संबद्ध अस्पतालों की जांच करें - मुख्यमंत्री

किल कोरोना अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन जारी रहे

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्यप्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निजी अस्पतालों को विशेष पैकेज देकर कोविड के मुफ्त इलाज के लिए सम्बद्ध किया गया है। इन सभी सम्बद्ध अस्पतालों की जांच की जाए तथा सुनिश्चित किया जाए कि वहां कोविड मरीजों को निःशुल्क अच्छे से अच्छा इलाज मिले साथ ही यह भी देखा जाए कि उन्हें अनावश्यक रूप से अस्पताल में भर्ती न रखा जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में किल कोरोना अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन जारी रहे। कोई भी सर्दी, जुकाम खांसी का मरीज छूटे नहीं, सभी का स्वास्थ्य परीक्षण करें एवं निःशुल्क मेडिकल किट दी जाये। अधिक से अधिक टेस्ट किए जाएं। हर मरीज की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग की जाए। जहां संक्रमण है, कंटेनमेंट एवं माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्र बनाए जायें। संक्रमण को सख्ती से रोका जाए। कोविड अनुरूप व्यवहार को हमारी दिनचर्या का अनिवार्य अंग बनाया जाए।

प्रदेश में नए प्रकरण एक हजार से कम

मध्यप्रदेश में 2 जून को कोरोना के 901 नए प्रकरण आए हैं, 4113 मरीज स्वस्थ हुए हैं तथा एक्टिव प्रकरणों की संख्या घटकर 17 हजार 136 हो गई है। सात दिन की पॉजिटिविटी 2 प्रतिशत है तथा 2 जून की स्थिति में पॉजिटिविटी 1.24 प्रतिशत है।

प्रदेश के 24 जिलों में एक प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी

प्रदेश के 24 जिलों में 1 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी तथा 27 जिलों में 5 प्रतिशत तक साप्ताहिक पॉजिटिविटी है। सतना, छतरपुर, गुना, नरसिंहपुर, बड़वानी, हरदा, शिवपुरी, कटनी, छिंदवाड़ा, शाजापुर, डिंडोरी, सिंगरौली, मंडला, भिंड, आगर-मालवा, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, उमरिया, दतिया, टीकमगढ़, अलीराजपुर, शहडोल तथा मंदसौर में एक प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है।

6729 मरीज अस्पतालों में

प्रदेश में 2 जून की स्थिति में 6729 कोविड मरीज अस्पतालों में हैं, जिनमें 2051 मरीज आई.सी.यू. में, 2309 मरीज ऑक्सीजन वेड्स पर तथा 2369 सामान्य वेड्स पर हैं। होम आइसोलेशन में 10 हजार 407 मरीज हैं।

इन्दौर की पॉजिटिविटी 3.3 प्रतिशत

मुख्यमंत्री ने कहा है कि 2 जून को इन्दौर की पॉजिटिविटी रेट आज 3.3 प्रतिशत आई है। इसके लिए प्रभारी मंत्री, क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्य तथा सभी संबंधित बधाई के पात्र हैं। इन्दौर में 338 नए प्रकरण आए हैं तथा 7 दिन की औसत पॉजिटिविटी 5.5 प्रतिशत है। श्री चौहान ने कहा कि कोविड अनुरूप व्यवहार के लिए इन्दौर देश में मॉडल बने।

युवाओं के वैक्सीनेशन में तेजी लाई जाए

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि 18 वर्ष से अधिक आयु वाले युवाओं के वैक्सीनेशन कार्य में तेजी लाई जाए। साथ ही 45 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों के टीकाकरण का कार्य भी जारी रहे।

भोपाल का सुरक्षा दल सराहनीय

मुख्यमंत्री ने भोपाल में कोरोना जागरूकता के लिए प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में किए जा रहे कोरोना सुरक्षा दल के कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि अन्य जिलों में भी इस प्रकार का प्रयोग किया जाए।

कोरोना महामारी के विरुद्ध लड़ाई को बनाएं जन आंदोलन - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश में अनलॉक के संबंध में प्रभारी मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में एक जून से प्रदेश में अनलॉक की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। अनलॉक के संबंध में मंत्री समूहों द्वारा दी गई अनुशंसाओं को सभी क्राइसिस मैनेजमेंट समूहों को भिजवा दिया गया है। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में अनलॉक के संबंध में प्रभारी मंत्रियों और अधिकारियों से चर्चा के दौरान कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 5 प्रतिशत से अधिक संक्रमण वाले तथा 5 प्रतिशत से कम संक्रमण वाले जिलों के लिए अनलॉक की पृथक-पृथक गाइडलाइन होगी। प्रदेश के इन्दौर, भोपाल, सागर तथा मुरैना जिलों में 5 प्रतिशत से अधिक संक्रमण है। यदि कहीं भी संक्रमण बढ़ता है तो प्रतिबंध पुनः लागू किए जाएंगे। श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के विरुद्ध लड़ाई को प्रदेश में जन आंदोलन बनाना है। हर व्यक्ति कोविड अनुसार व्यवहार करे तथा सभी का टीकाकरण किया जाए। हर व्यक्ति अपने परिवार, गांव तथा शहर को कोरोना संक्रमण से बचाए। मास्क लगाने, दूरी रखने, बार-बार हाथ साफ करने आदि को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा।

एक भी संक्रमित व्यक्ति को घूमने न दें

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात का पूरा ध्यान रखा जाए कि एक भी संक्रमित मरीज बाहर न घूमे। अधिक से अधिक टेस्टिंग कर हर मरीज की पहचान करनी है तथा हर कोविड मरीज को होम आइसोलेशन, कोविड केयर सेंटर में रखना है तथा जरूरत होने पर अस्पताल में इलाज करना है। जहां भी संक्रमण हो वहां माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्र बनाएं। हर पॉजिटिव मरीज की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग की जाए।

किल कोरोना अभियान-4 चलता रहेगा

श्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में किल कोरोना अभियान चालू रहेगा। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि के मरीजों की पहचान कर उन्हें निःशुल्क मेडिकल किट देकर इलाज प्रारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण कोविड के विरुद्ध सुरक्षा चक्र का कार्य करता है। टीकाकरण के प्रति सभी भ्रान्तियों को दूर कर जागरूकता पैदा करें। 18 वर्ष तथा अधिक उम्र का हर व्यक्ति टीका लगवाए। यह भी ध्यान रखा जाए कि वैक्सीन का एक भी डोज बेकार न जाए। बचे हुए डोजेज को बिना पूर्व पंजीयन के लगाया जाए।

उच्च जोखिम समूह का कोविड-19 टीकाकरण करने के निर्देश

भोपाल, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री मोहम्मद सुलेमान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना महामारी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए नवीन कार्य-योजना में, उच्च जोखिम समूहों को सूचीबद्ध कर प्राथमिकता के आधार पर कोविड-19 टीकाकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि 100 प्रतिशत ऑनसाइट रजिस्ट्रेशन आधारित सत्र आयोजित कर, उच्च जोखित समूहों (उचित मूल्य दुकानों के विक्रेता, सिलेण्डर सप्लाई करने वाले, पेट्रोल पंप स्टाफ, घर के काम वाली महिलायें, किराना दुकान व्यापारी, सब्जी/गल्ला मण्डी के विक्रेता, हाथठेला वाले, दुधवाले, वाहन चालक, साईट मजदूर, मॉल/होटल/रेस्टोरेंट में कार्यरत स्टाफ, शिक्षक, केमिस्ट, बैंकर्स, सुरक्षा गार्ड इत्यादि) का कोविड-19 टीकाकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

शिवाली और आलोक के सपनों को पूरा करेगी प्रदेश सरकार

उमरिया, जिले के नौरोजाबाद नगर में निवासरत मध्यमवर्गीय परिवार के अनाथ हुए भाई-बहन के सपनों को अब मध्यप्रदेश की सरकार पूरा करेगी। लगभग एक वर्ष पूर्व बच्चों की मां का निधन हो गया था। वैश्विक महामारी कोरोना ने बच्चों के पिता का साया भी छीन लिया। ऐसी स्थिति में कक्षा 6वीं में पढ़ने वाली बालिका शिवाली और कक्षा 5वीं में पढ़ रहे आलोक के जीवन में अंधकार छा गया।

संवेदनशील सरकार के संवेदनशील नेतृत्व ने इस विषम स्थिति से बच्चों को बचाने और उनका भविष्य संवारने के लिये मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना शुरू की। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि आपातकालीन स्थितियों में बच्चों को बेसहारा नहीं छोड़ा जाएगा। इस दिशा में प्रदेश सरकार ने ऐसे मासूम बच्चों के भविष्य की जिम्मेदारी उठाई है, जिनके माता-पिता की असामयिक मृत्यु कोरोना काल में हो गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ऐसे बेसहारा बच्चों को 24 वर्ष तक की उम्र होने तक हर माह 5 हजार रुपये आर्थिक सहायता, निःशुल्क राशन और बच्चों की शिक्षा तक की व्यवस्था की गई है। शिवाली और आलोक भी ऐसे ही दो बच्चे हैं, जिनकी जिम्मेदारी का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है। दोनों बच्चों का कहना है कि मां अर्चना राय और पिता संजीव राय ने जो सपने उनके लिये देखे थे अब उन सपनों को मामा श्री शिवराज सिंह चौहान के सहयोग से पूरा करेंगे। इसमें मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना सहयोगी बनेगी। शिवाली ने बताया कि पढ़-लिख कर वह डॉक्टर बनेगी और समाज की सेवा करेगी, ताकि कोई दूसरा परिवार विपरीत परिस्थिति में बिखरने न पाए। वहीं आलोक का कहना है कि मैं साइंटिस्ट बनकर अपनी मां का सपना पूरा करना चाहता हूं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अटल प्रोग्रेस-वे और नर्मदा एक्सप्रेस-वे

औद्योगिक विकास और रोज़गार सृजन के लिये महत्वाकांक्षी परियोजनाएं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नर्मदा एक्सप्रेस-वे और अटल प्रोग्रेस-वे की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश के लगभग 17 जिलों से निकलने वाले नर्मदा एक्सप्रेस-वे और ग्वालियर-चंबल संभाग में विकसित होने वाले अटल प्रोग्रेस-वे के कार्य को युद्ध स्तर पर पूर्ण किया जाए। प्रदेश के औद्योगिक विकास और रोज़गार के नए अवसर सृजित करने तथा नए नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए यह दोनों परियोजनाएं दूरगामी निवेश हैं। यह परियोजनाएं प्रदेश की प्रगति को नए आयाम देंगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में नर्मदा एक्सप्रेस-वे और अटल प्रोगेस-वे की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

अधिक से अधिक शासकीय भूमि का उपयोग हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों ही परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही को तेजी से पूर्ण किया जाए। प्रयास यह हो कि परियोजना निर्माण में अधिक से अधिक शासकीय भूमि का उपयोग हो। निजी भूमि अधिग्रहण में भूमि के बदले भूमि देने के विकल्प पर प्राथमिकता से कार्य करें। श्री चौहान ने कहा कि अटल प्रोगेस-वे के निर्माण में घड़ियाल अभ्यारण्य को सुरक्षित रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों परियोजनाएं शीघ्र पूर्ण करने के लिए भारत सरकार के स्तर पर वे संबंधित मंत्रियों से संवाद करेंगे।

ग्वालियर-चंबल का बढ़ रहा है औद्योगिक पोटेंशियल

बैठक में बताया गया कि अटल प्रोग्रेस-वे भिंड, मुरैना तथा श्योपुर जिले से गुजरेगा। यह क्षेत्र दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे, ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर, आगरा-कानपुर हाइवे के मध्य स्थित है। इसकी भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह क्षेत्र उत्कृष्ट औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। दिल्ली तथा आसपास के राज्यों में बन रही परिस्थितियों के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र का औद्योगिक पोटेंशियल बढ़ रहा है। भिंड में लॉजिस्टिक हब, मुरैना में मल्टी प्रोडेक्ट औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने और श्योपुर में कृषि आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की योजना है।

6 हजार 742 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा अटल प्रोग्रेस-वे

अटल प्रोग्रेस-वे की अनुमानित लागत 6 हजार 742 करोड़ रुपये है। कुल 312 किलोमीटर लम्बा यह मार्ग श्योपुर, भिंड और मुरैना के 153 गांवों से गुजरेगा। इस परियोजना के लिए 3 हजार 55 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है। परियोजना के अंतर्गत 7 पुल और दो आर.ओ.बी. का निर्माण प्रस्तावित है।

नर्मदा एक्सप्रेस-वे प्रदेश की हॉरिजोन्टल इंडस्ट्रियल बैकबोन सिद्ध होगा

नर्मदा एक्सप्रेस-वे प्रदेश को पूर्वी सीमा में एन एच-45 ई विलासपुर-रायपुर-विशाखापट्नम मार्ग और पश्चिम में गुजरात को जोड़ेगा। लगभग एक हजार किलोमीटर लम्बाई के इस मार्ग के निर्माण पर 2 हजार 696 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। नर्मदा एक्सप्रेस-वे पूर्वी मध्यप्रदेश को औद्योगिक रूप से उन्नत पश्चिमी मध्यप्रदेश से जोड़कर औद्योकीकरण के नए अवसर पैदा करेगा। यह प्रदेश की हॉरिजोन्टल इंडस्ट्रियल बैकबोन सिद्ध होगा। प्रदेश के वर्तमान औद्योगिक इकोसिस्टम का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी बेल्ट में स्थित है। नर्मदा एक्सप्रेस-वे प्रदेश के विभिन्न जिलों के जिला मार्गों, राज्य मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्गों के समावेश से विकसित किया जा रहा है। नर्मदा एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में इटारसी और कीरतपुर को लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउस हब के रूप में विकसित करने की योजना है। मोहासा-बावई में फार्मा और मल्टी प्रोडक्ट पर केंद्रित विश्व-स्तरीय पार्क विकसित करने का कार्य जारी है।

मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के लिये केंद्र द्वारा राशि आवंटित

भोपाल, मध्यप्रदेश के सभी ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और पीने योग्य पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय जल जीवन मिशन द्वारा 1,184.860 करोड़ रुपये की पहली खेप राज्य को जारी की गई है। वर्ष 2021-22 में जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन के लिए मध्यप्रदेश को 5,116.790 करोड़ रुपये की सहायता आवंटित की गई है। यह जानकारी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने दी। बैठक में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल थे।

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ दो दौर की विस्तृत समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आश्वासन दिया कि वह नियमित रूप से जल जीवन मिशन की योजना और कार्यान्वयन की समीक्षा करेंगे और प्रधानमंत्री द्वारा घोषित वर्ष 2024 में कार्य को पूरा करने की बजाय, मध्यप्रदेश सरकार नल-जल कनेक्शन सुनिश्चित करेगी और वर्ष 2023 तक प्रत्येक ग्रामीण घर में पेयजल आपूर्ति का आश्वासन देगी। नतीजतन, 2020-21 में, कोविड-19 महामारी के बावजूद, मध्यप्रदेश ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया और नए नल-जल कनेक्शन के साथ 19.89 लाख ग्रामीण परिवारों को जल प्रदान किया।

मध्यप्रदेश में 1.23 करोड़ ग्रामीण परिवार हैं, जिनमें से अब 38.29 लाख (31.1 प्रतिशत) घरों में नल से पानी की आपूर्ति हो चुकी है। राज्य मार्च, 2022 तक 22 लाख से अधिक नल-जल कनेक्शन प्रदान करके आधे रास्ते के कवरेज मार्क के पास पहुंचने की योजना बना रहा है। 7 जिलों में 3,731 पाइप्ड जलापूर्ति (पीडब्ल्यूएस) गांव पर ध्यान केंद्रित करने की भी योजना है, जहां औसतन 150 से कम घरेलू कनेक्शन हैं, इन गांवों को 'हर घर जल' योजना बना सकते हैं। वार्षिक कार्ययोजना (2021-22) चर्चा के दौरान राज्य सरकार को अधिक गति से काम करने की सलाह दी गई है, ताकि लगभग 42 प्रतिशत गांवों में नल का जल उपलब्ध कराया जा सके, जो अभी भी पीडब्ल्यूएस के बिना हैं। यह कार्य तेजी से शुरू किया जा सकता है, क्योंकि इन गैर-पीडब्ल्यूएस गांवों में उपलब्ध कराए जाने वाले नलों की औसत संख्या पीडब्ल्यूएस गांवों में उपलब्ध कराए जाने वाले शेष नलों की औसत संख्या से कम है।

राज्य को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की अधिकांश बस्तियों, जल गुणवत्ता प्रभावित गांवों, सूखाग्रस्त क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों, पीवीटीजी बस्तियों आदि जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कवरेज बढ़ाने की भी सलाह दी गई है।

मध्यप्रदेश ने सभी को 'स्वच्छ पेयजल' सुनिश्चित करने के लिए पानी की गुणवत्ता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में 155 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें से 32 को एनएबीएल मान्यता प्राप्त हुई है। राज्य ने जीवाणु और रासायनिक संदूषणों को दूर करने के लिए पेयजल के परीक्षण पर जोर देना शुरू कर दिया है और 2021-22 में 51 जिला प्रयोगशालाओं में से 23 की एनएबीएल मान्यता लेने की योजना है। हर गांव में पांच लोगों को प्रशिक्षित किया जाता है, जिसमें फील्ड टेस्ट किट का उपयोग कर स्रोत पर पेयजल की गुणवत्ता के साथ-साथ वितरण विंदुओं का परीक्षण किया जाता है।

इसके साथ ही 10 हजार 700 करोड़ रुपये के आवंटन अनुदान के साथ वर्ष 2021-22 में 5,116.78 करोड़ रुपये और राज्य सरकार के पास उपलब्ध 191.61 करोड़ रुपये का बकाया और राज्य में जेजेएम के कार्यान्वयन के लिए कुल सुनिश्चित निधि उपलब्धता शामिल है। इस निधि की उपलब्धता से राज्य इस वर्ष ग्रामीण घरों तक नल का जल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न नियोजित गतिविधियों के कार्यान्वयन में तेजी लाने में सक्षम होगा।

प्रधानमंत्री द्वारा जल जीवन मिशन की घोषणा की गई थी। इसी के अनुरूप वर्ष 2024 तक देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल-जल कनेक्शन प्रदान करने के लिए राज्यों/केंद्रों के साथ साझेदारी में कार्यान्वयन किया जा रहा है।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

सुपोषित मध्यप्रदेश के लिए पोषण नीति-2020 का अनुमोदन

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के विकास के लिए सहायक और सक्रिय पारिस्थिति का तंत्र विकसित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति 2019 जारी की गई है।
- मंत्रिपरिषद ने इसमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के प्रशासकीय नियंत्रण की भूमि आवंटन के लिए नये नियम अनुमोदित किए।
- यह नियम मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2021 कहलाएंगे। नियमों में मुख्यतः प्रावधान किए गए हैं कि नियम लागू होने से पहले के विकसित औद्योगिक क्षेत्रों के लिये विकास शुल्क 150 रुपये प्रति वर्गमीटर तथा नियम लागू होने के बाद विकसित होने वाले औद्योगिक क्षेत्र के लिये विकास शुल्क उस औद्योगिक क्षेत्र के समेकित विकास में हुए कुल व्यय पर समानुपातिक रूप से लिये जाने का प्रावधान किया गया है।
- औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि/भूखण्डों का आवंटन ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया से किये जाने का प्रावधान किया गया है।
- आवंटन प्रक्रिया तथा अपील प्रक्रिया में समय-सीमा लगभग आधी की गई है। विभागीय शेडों को किराये पर दिये जाने का प्रावधान किया गया है।
- मंत्रिपरिषद की बैठक में कोविड-19 महामारी की रोकथाम में योद्धाओं की तरह सेवाएं दे रहे कर्मियों के लिए मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना दो माह एक अप्रैल से 31 मई 2021 की अवधि में लागू करने की मंजूरी दी।
- मंत्रिपरिषद ने कोविड-19 बाल कल्याण योजना के विभिन्न विंदुओं पर अनुमोदन दिया। यह योजना ऐसे बच्चों के लिये बनाई गई है, जिनके माता-पिता या अभिभावक की मृत्यु कोरोना से एक मार्च से 30 जून 2021 तक की अवधि में हुई हो, जिससे उनकी आर्थिक समस्या के अतिरिक्त उनकी शिक्षा में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। इसके लिए इस योजना के माध्यम से शासन द्वारा उन्हें आर्थिक सहायता, निःशुल्क राशन तथा निःशुल्क शिक्षा दी जायेगी।
- योजना में प्रत्येक बाल हितग्राही को 5 हजार रुपये प्रतिमाह आर्थिक सहायता, संरक्षक को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत निःशुल्क मासिक राशन तथा शिक्षा सहायता के रूप में पहली से लेकर स्नातक तक की निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। इसमें शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय शामिल हैं। इसके अलावा तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, आयुष शिक्षा, विधि शिक्षा इत्यादि सभी विषयों की भी निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान योजना में रखा गया है।
- मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना का अनुसमर्थन किया। योजना से संबंधित अन्य अनुगामी कार्यवाही के लिए वित्त विभाग को अधिकृत करने की मंजूरी दी।
- मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में विकेन्द्रीकृत उपार्जन योजना में खाद्यान्न आदि के उपार्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य शासकीय योजनाओं के संचालन, डेफिसिट पूर्ति एवं वर्तमान में जारी वित्तीय व्यवस्था की निरंतरता के लिये धनराशि उधार लेने के लिए 29 हजार 400 करोड़ रुपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति की स्वीकृति प्रदान करने का निर्णय लिया।
- साथ ही शासकीय प्रत्याभूति के संस्थावार पुनःआवंटन एवं खाद्यान्न साख-सीमा के संचालन के लिए समय-समय पर कार्यवाहियां करने के लिये खाद्य विभाग को अधिकृत किया गया।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के सभी समुदायों को पोषण एवं स्वास्थ्य की व्यापक सुरक्षा प्रदाय करने तथा उन्हें सक्षम बनाने, समुदाय विशेषकर बच्चों, किशोरों और महिलाओं को उपयुक्त पोषण और बेहतर स्वास्थ्य के स्तर को प्राप्त कर 'सुपोषित मध्यप्रदेश' की संकल्पना को साकार करने के लिए महिला बाल विकास विभाग द्वारा तैयार की गई राज्य की पोषण नीति-2020 अनुमोदित की गई। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं -

नवीन भूमि आवंटन नियम से उद्योगों में सृजित होंगे रोज़गार के अवसर

भोपाल, क्लस्टर आधारित छोटी औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देकर बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा करने के लिए मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद ने एमएसएमई के लिए नए भूमि आवंटन और विकास नियमों को मंजूरी दी है। अब उद्यमियों को जहां सस्ती दर पर भूमि उपलब्ध हो सकेगी वहीं उस पर भूमि का विकास भी अब उद्यमी स्वयं कर पाएंगे। साथ ही अब उद्यमी स्वयं ही निवेश भी आमंत्रित कर सकेंगे।

मंत्रिपरिषद द्वारा नवीन भूमि आवंटन नीति को मंजूरी मिलने पर लघु, सूक्ष्म, मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नई पॉलिसी ऐतिहासिक है। इससे बड़ी संख्या में रोज़गार सृजित होंगे।

मंत्रिपरिषद के निर्णय की जानकारी देते हुए श्री सखलेचा ने बताया कि नई पॉलिसी में प्रदेश में पहली बार उद्यमियों को नगरीय तथा गैर नगरीय भूमि पर स्व-निर्धारित डिजाइन के अनुसार क्लस्टर विकसित तथा संधारित करने का अवसर मिलेगा। इन क्लस्टर्स में भूमि विकास के लिए डेवलपर्स को कलेक्टर की असिंचित भूमि की गाइडलाइन के मात्र 25 प्रतिशत पर भूमि आवंटित की जायेगी।

इस नवीन नीति से प्रदेश में तेजी से फार्मा, खिलौना, फर्नीचर क्लस्टर विकसित हो सकेंगे और इससे रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे। नवीन नियमों में भूखण्ड आवंटन की प्रक्रिया को अत्यधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया गया है। अब समस्त भूखण्डों को इलेक्ट्रॉनिक नीलामी के माध्यम से विक्रय किया जायेगा। जिन भूखण्डों में कोई नीलामीकर्ता उपलब्ध नहीं होता है ऐसे को 'प्रथम आओ, प्रथम पाओ' की नीति से विक्रय किया जायेगा। नवीन नियमों में विभिन्न प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को भी लगभग आधा किया गया है। पूर्व से स्थापित इकाइयों के पास पड़ी अनुपयोगी भूमि की आवंटन प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। बैंक और वित्तीय संस्थाओं में आवंटित भूखण्डों का हस्तांतरण महाप्रबंधक उद्योग को मात्र सूचना देने के बाद किया जा सकेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना टास्क फोर्स समिति

किसानों को समय पर किया जाये दावा राशि का भुगतान

भोपाल, मध्यप्रदेश में किसानों के लिए ऐसी योजना बनाई जाए, जिससे उन्हें फसलों की क्षति होने पर जल्दी से जल्दी तथा पर्याप्त मुआवजा राशि बिना किसी परेशानी के मिल सके। इसके लिए विभिन्न राज्यों के मॉडल का अध्ययन कर प्रदेश के लिए सर्वश्रेष्ठ योजना बनाई जाएं। ये बातें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए गठित टास्क फोर्स समिति की बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

तकनीकी का बेहतर इस्तेमाल हो

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि फसल जोखिम एवं उपज हानि के आकलन आदि में आधुनिक तकनीकों जैसे रिमोट सेंसिंग डेटा, ड्रोन आदि का इस्तेमाल हो।

वर्तमान में केवल 40 प्रतिशत किसानों को ही लाभ

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में प्रदेश के केवल 40 प्रतिशत किसानों को ही फसल बीमा योजना का लाभ मिल पा रहा है। फसल बीमा योजना ऐच्छिक होने से सभी किसानों को लाभ नहीं मिल पाता। फसल क्षेत्रवार कवरेज भी 50 प्रतिशत (लगभग 70 लाख हेक्टेयर) ही है।

4 राज्यों के मॉडल प्रस्तुत

बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष चार राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गुजरात तथा महाराष्ट्र के फसल बीमा मॉडल प्रस्तुत किए गए।

स्लीमनाबाद टनल का कार्य तेजी से कराया जाए - मुख्यमंत्री

भोपाल, कोविड-19 के कारण स्लीमनाबाद नहर का कार्य प्रभावित हुआ है, परन्तु अब यह कार्य तेजी से किया जाए। काम में किसी प्रकार की बाधा न आए। नियत समय-सीमा जून 2023 तक टनल का कार्य पूर्ण किया जाए। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में स्लीमनाबाद टनल कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुये कही। बैठक में उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्यमंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव श्री आई.सी.पी. केशरी आदि उपस्थित थे।

अस्थाई आवास की व्यवस्था करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि स्लीमनाबाद टनल निर्माण के दौरान स्लीमनाबाद के कुछ क्षेत्रों में घरों में वाइब्रेशन से लोगों को परेशानी हो सकती, अतः उन निवासियों को वैकल्पिक अस्थाई आवास दिलवाए जाएं। कार्य पूर्ण होने पर वे अपने आवास में वापस जाएंगे।

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि टनल के कार्य के दौरान पावर कट न हो। इस कार्य को अत्यंत आवश्यक मानकर, बिजली की आपूर्ति निर्बाध हो।

लागत 799 करोड़ रुपये लम्बाई 11.95 किलोमीटर

बरगी व्यपवर्तन परियोजना की स्लीमनाबाद टनल की लागत 799 करोड़ रुपये तथा लम्बाई 11.95 किलोमीटर है। इसमें से 6.036 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो गया है तथा 5.914 किलोमीटर का कार्य शेष है। निर्माण एजेंसी मैसर्स पटेल ए.ई.डब्ल्यू. (संयुक्त उपक्रम) हैदराबाद है।

मध्यप्रदेश में डीएपी खाद का मूल्य प्रति बोरी 1200 रुपये निर्धारित

भोपाल, मध्यप्रदेश में खरीफ सीजन 2021 के न्यूट्रीयेन्ट बेस्ड सब्सिडी (एनबीएस) के अंतर्गत डीएपी में सब्सिडी पुनः निर्धारित कर प्रति बोरी कीमत 1200 रुपये निर्धारित की गई है। प्रबंध संचालक श्री पी. नरहरि ने बताया कि प्रदेश में पूर्व में प्राप्त खाद की जिन बोरियों पर एमआरपी 1900 रुपये एवं 1700 रुपये अंकित है, भारत शासन के आदेशानुसार कृषकों को 1200 रुपये प्रति बोरी की दर से विक्रय की जायेगी।

कोविड से बचाव के तरीकों पर विद्यार्थी चलाएं जन-जागरण अभियान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मंत्रिमंडल के सदस्यों की कड़ी मेहनत और टीम वर्क के परिणामस्वरूप ही प्रदेश में कोरोना नियंत्रण में आया है। अब हम सुविधाजनक स्थिति में हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में पॉजिटिविटी रेट 1.5 प्रतिशत हो गया है और रिकवरी रेट 96.36 प्रतिशत हो गया है, जो संतोषजनक है। प्रदेश में चरणबद्ध रूप से अनलॉक की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। अब लोगों को कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए लगातार प्रेरित करना होगा। इसके लिए प्रदेश की छात्र शक्ति को आगे आना होगा। महाविद्यालयीन विद्यार्थियों, एनएसएस तथा एनसीसी कैडेट्स को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित कर उनकी सेवाएं जन-जागरण अभियान में ली जाएंगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में माननीय मंत्रीगण को संबोधित करते हुये कहीं।

वातावरण निर्माण के लिए जिलों का दौरा करेंगे मुख्यमंत्री

श्री चौहान ने कहा कि कोरोना को लॉक करना है। अतः कोविड एप्रोप्रियेट विहेवियर को अपनाने के लिए लोगों के बीच वातावरण बनाना होगा। मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों का यह दायित्व है कि इस दिशा में वे अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करें। कोविड गाइडलाइन का पालन कराने के लिए मास्क पहनने, दूरी बनाए रखने, बार-बार हाथ धोने, दुकानों के आगे गोले बनाने जैसी गतिविधियों को लोगों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिशा में वातावरण बनाने के लिए वे स्वयं भी कुछ जिलों का दौरा करेंगे। श्री चौहान ने कहा कि मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य अपने-अपने प्रभार के जिलों का दौरा करें। जनता से संवाद करें, अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दें और कोविड एप्रोप्रियेट विहेवियर के लिए लोगों को प्रेरित कर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। श्री चौहान ने मंत्रिपरिषद के सदस्य गणों को वैक्सीनेशन के लिए अपने-अपने प्रभार के जिलों में जन-जागरण पर केंद्रित अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

शिक्षा व्यवस्था के संबंध में विशेषज्ञों से चर्चा कर प्रस्तुत करें सुझाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण के प्रबंधन के लिए छह मंत्री समूह बनाए गए हैं। यह समूह टीकाकरण, अस्पताल प्रबंधन, जन-जागरण, वैक्सीनेशन, ऑक्सीजन उत्पादन और उपलब्धता की दिशा में लगातार कार्य करते रहें। सप्ताह में एक बार प्रत्येक मंत्री समूह की बैठक आवश्यक रूप से हो। इसके अतिरिक्त सातवां मंत्री समूह शिक्षा के लिए बनाया गया है। शिक्षा देने के क्या विकल्प हो सकते हैं, परीक्षाओं का संचालन कैसे हो, क्या बड़े बच्चों को सीमित संख्या में शाला आने की अनुमति दी जा सकती है? इस संबंध में यह समूह विचार करेगा। इस समूह में खेल एवं युवा कल्याण तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह, चिकित्सा शिक्षा एवं गैस राहत मंत्री श्री विश्वास सारंग, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार, आयुष राज्यमंत्री श्री रामकिशोर कावरे विचार-विमर्श करें। इस दिशा में टेक्नोलॉजी का क्या उपयोग किया जा सकता है, इस पर विचार करें और विशेषज्ञों से चर्चा कर सुझाव प्रस्तुत करें। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि शिक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश का एक अलग मॉडल बने, जो देश में एक उदाहरण हो।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता

श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। इस दिशा में कार्य पुनः आरंभ किए जाएँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना को सशक्त करने के लिए बने वार्डों तथा अन्य सुविधाओं का तत्काल वर्चुअल शिलान्यास और लोकार्पण कर कार्य आरंभ किया गया है। स्थिति सामान्य करने के लिए आवश्यक वातावरण निर्माण में इन गतिविधियों से मदद मिलेगी।

विद्यार्थी और प्राध्यापक बनेंगे कोविड अनुकूल व्यवहार के मास्टर ट्रेनर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जनता को कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया जाना है। इसमें महाविद्यालय और तकनीकी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों को शामिल किया जाए। प्रदेश में 18 लाख से अधिक विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों और प्राध्यापकों की कोविड अनुकूल व्यवहार के मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जाए।

रतलाम का ऑक्सीजन प्लांट क्षेत्र की जनता के लिए बड़ी राहत : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान रतलाम मेडिकल कॉलेज में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट का वर्चुअल लोकार्पण करते हुये।

भोपाल, दूसरों की भलाई और उनकी जिन्दगी बचाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। जियो और जीने दो हमारी परंपरा और संस्कृति है। कोरोना के भीषण काल में ऑक्सीजन का संकट हम सबने देखा और भोगा है। ऐसी स्थिति में शासकीय मेडिकल कॉलेज रतलाम में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित कर क्षेत्र की जनता को राहत और सुरक्षा देना सराहनीय है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रतलाम के शासकीय मेडिकल कॉलेज में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट का वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। कोरोना महामारी के संकट काल में ऑक्सीजन की समस्या दूर करने के लिए चेतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा एक करोड़ दो लाख रुपये की लागत से ऑक्सीजन प्लांट मेडिकल कॉलेज रतलाम में स्थापित किया गया है।

कम समय में तैयार हुआ ऑक्सीजन प्लांट

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक श्री चेतन्य काश्यप द्वारा ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने से शासकीय मेडिकल कॉलेज रतलाम ऑक्सीजन में आत्म-निर्भर हो गया है। कम समय में तैयार हुए इस प्लांट से 57 क्यूबिक मीटर अर्थात एक हजार लीटर प्रति मिनिट ऑक्सीजन मेडिकल कॉलेज के मरीजों को मिल सकेगी। कोरोना के बाद भी यह प्लांट लगातार उपयोगी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में देश और प्रदेश ने ऑक्सीजन का संकट देखा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल से ऑक्सीजन एक्सप्रेस रेल और खाली ऑक्सीजन टैंकर एयरफोर्स के विमानों द्वारा लिफ्ट कर ऑक्सीजन आपूर्ति की गई। इस सहयोग के लिए मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभारी है।

135 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आयात किए गए

श्री चौहान ने कहा कि चेतन्य फाउंडेशन द्वारा रतलाम के साथ आसपास के शहरों में ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई है। संकट के समय किया गया यह सहयोग फाउंडेशन की सकारात्मक सोच को दर्शाता है। फाउंडेशन द्वारा 135 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आयात किए गए। रतलाम के मेडिकल कॉलेज में 70 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर देकर 60 बेड का ऑक्सीजन वार्ड शुरू कराया गया। मंदसौर-नीमच संसदीय क्षेत्र में 25, झाबुआ-अलीराजपुर संसदीय क्षेत्र में 20, रतलाम ग्रामीण क्षेत्र में 10 और बदनावर में 10 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दिए गए।

सतर्क और सावधान रहना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि रतलाम के जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों, मैदानी अमले, क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी और जनता के सहयोग से जिले में कोरोना संक्रमण अब नियंत्रित है। संपूर्ण प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार हो रहा है।

इन्दौर संभाग को मिलेंगी दो लाख रैपिड एंटीजन टेस्ट किट

पाथ एवं देसाई फाउंडेशन ने प्रदान की टेस्ट किट

इन्दौर, कोरोना के विरुद्ध जारी युद्ध में शासन और प्रशासन को दानदाताओं द्वारा निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में पाथ एवं देसाई फाउंडेशन ने एबॉट कंपनी द्वारा निर्मित बाइनेक्स नाउ की रैपिड एंटीजन टेस्ट किट इन्दौर जिला प्रशासन को भेंट की। इन्दौर के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी एवं संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा की उपस्थिति में प्रथम चरण में 10 हजार किट स्वास्थ्य विभाग को सौंपी गई। इसी तरह दो अन्य चरणों में लगभग 16 करोड़ रुपये के लागत की कुल दो लाख रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) किट इन्दौर संभाग में उपयोग हेतु दान की जाएंगी।

आपदा में संजीवनी का कार्य करेंगी आरएटी किट

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने पाथ एवं देसाई फाउंडेशन द्वारा प्रदान किए जा रहे इस सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इन्दौर दानदाताओं की नगरी है। कोरोना महामारी के समय में सहयोग एवं एकजुटता की मिसाल इन्दौर शहर ने पेश की है। उन्होंने कहा कि इन्दौर में कोरोना एक बड़ी चुनौती है और इसे खत्म करने के लिए आज इन्दौर को मिल रहा आरएटी किट का यह दान आपदा में संजीवनी का कार्य करेगा। उन्होंने इन्दौर नगरवासियों से अनुरोध किया कि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये वे कोविड अनुकूल व्यवहार को अपनाते हुये मास्क का उपयोग एवं कोरोना प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें।

उन्होंने कहा कि आरएटी किट के माध्यम से हम समय रहते कोरोना संक्रमित मरीजों की जांच कर कोविड ट्रांसमिशन चेन को तोड़ सकेंगे। साथ ही मरीजों की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग में भी यह किट उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर श्री गौरव रणदिवे ने कहा कि कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण के लिये यह दान एक अभिनव पहल है। इन्दौर जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में रह रहे लोगों की जांच आरएटी किट द्वारा कम समय में की जा सकेगी।

पाथ एवं देसाई फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से दो लाख आरएटी किट इन्दौरवासियों की सहायता के लिए प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे आगे भी इसी तरह शासन और प्रशासन का हरसंभव सहयोग करते रहेंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

जेफ बेजोस

5 जुलाई को छोड़ेंगे अमेजन के सीईओ का पद

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस

5 जुलाई 2021 को सीईओ पद छोड़ देंगे। उसी दिन कार्यकारी एंडी जेसी सीईओ की भूमिका संभाल लेंगे। जेसी अभी वेब सर्विसेज के हेड हैं। बेजोस ने कहा कि 5 जुलाई का मेरे लिये भावनात्मक महत्व है, क्योंकि 1994 में इसी दिन अमेजन की स्थापना हुई थी।

ब्रिटेन में

जन्मा 5.7 किलो का बच्चा

ब्रिटेन के वर्किंघमशायर में जन्में एक शिशु का वजन

इतना था कि तराजू भी नहीं नाप सका। दरअसल एमी स्मिट नाम की महिला ने जब बच्चे को जन्म दिया तब बच्चे का वजन 5.7 किलो और लंबाई 2 फीट थी। विशेषज्ञों के मुताबिक स्वस्थ शिशु का वजन 4.2 किलो तक होता है। इससे ज्यादा के शिशु उच्च वजन की श्रेणी में आते हैं।

अरुण वेंकटरमन

अमेरिका में विदेश वाणिज्यिक सेवा के डीजी नियुक्त

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय-अमेरिकी

नागरिक अरुण वेंकटरमन को अमेरिकी विदेश वाणिज्यिक सेवा के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया है। साथ ही उन्हें वाणिज्य विभाग में वैश्विक बाजारों का सहायक सचिव भी नामित किया गया है। अरुण अभी वाणिज्य सचिव के सलाहकार हैं।

तस्मानियाई डेविल

तीन हजार वर्षों में पहली बार जन्मा

ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर 3,000 साल में पहली बार

तस्मानियाई डेविल का जन्म हुआ है। इन्हें विलुप्त श्रेणी में रखा गया है। न्यू साउथ वेल्स में वन्याजीव अभ्यारण्य में 7 डेविल का जन्म हुआ है। डिंगो के शिकार की वजह से ये खत्म हो गये थे। एक एनजीओ ने बाहर से कुछ डेविल लाकर छोड़े थे, जिनके प्रजनन में कामयाबी मिली है।

सुबोध जायसवाल

सीबीआई निदेशक बने

आईपीएस अधिकारी सुबोध कुमार जायसवाल ने

सीबीआई के नये निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया। जायसवाल 1985 बैच के महाराष्ट्र कैडर के अधिकारी हैं। अब तक वह केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के प्रमुख के रूप में तैनात थे। वे महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक और मुंबई के पुलिस कमिश्नर के रूप में भी काम कर चुके हैं।

सुपरमून, चंद्रग्रहण और ब्लडमून

एक साथ बना संयोग

इस साल का पहला चंद्रग्रहण 26 मई 2021 को

हुआ। संयोग से 6 साल बाद इस दिन ब्लडमून, सुपरमून और चंद्रग्रहण साथ-साथ दिखाई दिये। चंद्रग्रहण सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया में दिखा। भारत में ये नहीं दिखा। ब्लडमून पूर्ण चंद्रग्रहण को कहा जाता है। वहीं चंद्रमा जब पृथ्वी के सबसे करीब होता है तो 7 प्रतिशत बड़ा और 14 प्रतिशत चमकीला दिखता है, जिसे सुपरमून कहते हैं।

हॉन्गकॉन्ग

213 करोड़ रुपये में बिका सबसे बड़ा डायमंड सकूरा

अब तक का सबसे बड़ा पिंक डायमंड 'द सकूरा'

रिकॉर्ड 213 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ है। नीलामी घर क्रिस्टी के मुताबिक 15.8 कैरेट का यह डायमंड प्लेटिनम और सोने से बनी अंगूठी में जड़ा है। इसे एक एशियाई अरबपति ने खरीदा है। जापान में द सकूरा का मतलब है- चेरी ब्लॉसम। अपने रंग और चेरी ब्लॉसम के पेड़ की तरह दिखने वाला यह अपनी तरह का इकलौता डायमंड है।

गुरजीबन सिंह चहल

अमेरिकी सेना का हिस्सा बने

यूएस मिलिट्री एकेडमी के ग्रेजुएट गुरुजीवन सिंह

चहल ने न्यूयॉर्क के एक स्टेडियम में आयोजित ग्रेजुएशन सेरेमनी में भाग लिया। इसी के साथ वह अमेरिकी सेना का हिस्सा बन गये। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान चहल के परदादा ने ब्रिटिश आर्मी के सिख रेजीमेंट में अपनी सेवाएं दी थीं। इनके चाचा भी भारतीय वायुसेना में अपनी सेवा दे चुके हैं।

दुर्लभ उल्का पिंड

लंदन के म्यूजियम में रखा जायेगा

ब्रिटेन स्थित ग्लॉस्टरशायर में फरवरी 2021 को उल्का

पिंड का एक टुकड़ा गिरा था, जिसकी बाद में पहचान 4 अरब साल पुराने पत्थर के तौर पर हुई। इस टुकड़े को जल्द ही लंदन के म्यूजियम में जगह मिलने जा रही है। यह पत्थर एक चरवाहे को मिला था, जिसने वैज्ञानिकों की टीम को इसे सौंप दिया था।

बेंगलुरु

दिखा गोलाकार इंद्रधनुष

कर्नाटक में कुछ जगह बारिश के बाद गोलाकार

इंद्रधनुष ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। कुछ समय के लिये बने इंद्रधनुष को कैमरे में कैद करने की होड़ लगी। बेंगलुरु में इंद्रधनुष की यह तस्वीर सांसद पीसी मोहन ने सोशल मीडिया पर शेयर की है।

प्रोफेसर शंकर बालासुब्रह्मण्यम

भारतवंशी को मिला मिलेनियम टेक्नोलॉजी पुरस्कार

भारत में जन्में वैज्ञानिक प्रोफेसर शंकर

बालासुब्रह्मण्यम को तकनीक की दुनिया में अहम योगदान के लिये प्रतिष्ठित मिलेनियम टेक्नोलॉजी अवॉर्ड से नवाजा गया है। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में केमिस्ट शंकर और उनके साथी को इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। इस अवॉर्ड को साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नोबेल प्राइज जितना सम्मानित माना जाता है।

शकुंतला हरकसिंह

मिला विश्व खाद्य पुरस्कार

विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन ने 2021 का

पुरस्कार शकुंतला हरकसिंह थिल्स्टेड को देने की घोषणा की है। जिन्होंने कुपोषण और भूख को दुनिया से खत्म करने के लिये भोजन के विकल्प के रूप में मछली एवं जलीय भोजन पर काम किया है। पुरस्कार के तहत विजेता को 2.5 लाख डॉलर की राशि दी जाती है। इसे खाद्य एवं कृषि का नोबेल पुरस्कार माना जाता है।

मैरीलैंड में

चांदी के दुर्लभ सिक्के मिले

पुरातात्विक विभाग को मैरीलैंड से करीब 400 साल

पुराने दुर्लभ चांदी के सिक्के मिले हैं। अध्ययनकर्ताओं को यह सिक्के तब मिले जब वो सेंट मैरी चर्च की खोज कर रहे थे, जो कि पुराने अंग्रेजी सभ्यताओं में से एक है। अनुसंधानकर्ता ट्रेविन पारनो के अनुसार चांदी के सिक्के के ऊपरी भाग में किंग्स चार्ल्स-1 की तस्वीर बनी है। इसको 1634 में किले के बसने के दौरान इंग्लैंड के लंदन वाले टॉवर में बनाया गया था।

अन्वी भूटानी

ऑक्सफोर्ड छात्रसंघ अध्यक्ष बनीं

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के मेगडलेन कॉलेज से

भारतवंशी मानव विज्ञान की छात्रा को छात्रसंघ के उपचुनाव में विजेता घोषित किया गया है। ऑक्सफोर्ड छात्रसंघ में नस्लीय जागरूकता एवं समानता अभियान की सह-अध्यक्ष और ऑक्सफोर्ड इंडिया सोसाइटी की अध्यक्ष अन्वी भूटानी 2021-22 अकादमिक सत्र के लिये उपचुनाव में उम्मीदवार थीं। भूटानी ने घोषणा पत्र में ऑक्सफोर्ड जीविका वेतन लागू करने, अनुशासनात्मक कार्यवाही अलग करने संबंधी और पाठ्यक्रम को विविध बनाने जैसी प्राथमिकताओं को शामिल किया था।

शाही लीची

बिहार से लंदन रवाना हुई

बिहार से इस सीजन की शाही लीची की पहली

खेप हवाई मार्ग से लंदन रवाना हो गई है। ये फसल जीआइ टैग सर्टिफिकेट के बाद एक्सपोर्ट की गई है। इसे एक निजी एक्सपोर्ट कंपनी ने बिहार के मुजफ्फरपुर के किसानों से खरीदा है जिसे लंदन की कंपनी एच एंड जे वेज ने आयात किया है। चीन के बाद भारत लीची का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय ने

भूस्खलन होने से पहले ही पता लगाने वाली तकनीक विकसित की

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेल्गी मून

और उनकी टीम ने एक अध्ययन कर ऐसी तकनीक पर सफलता पाई है जो भूस्खलन होने के पहले ही संबंधित क्षेत्र में चेतावनी दे देगी। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के नीचे गहरे स्थानों की पहचान करने के लिये 3डी स्थलाकृतिक तनाव मॉडलिंग नामक एक मौजूदा तकनीक को नये तरीके से विकसित किया है। जहां लंबे समय से चट्टानों पर मौसम की मार पड़ रही होती है वहां यह तकनीक यह निर्धारित कर सकती है कि कौन से स्थान भू-स्खलन के लिए सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

स्मृति शेष

पहला कोरोना टीका लेने वाले विलियम का निधन

दुनिया में कोरोना टीके की पहली खुराक लेने

वाले विलियम शेक्सपियर का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। 2020 में कॉवेंट्री अस्पताल लंदन में उन्होंने कोरोना की पहली खुराक ली थी। वे दुनिया में कोरोना टीका लगवाने वाले पहले पुरुष थे।

संगीतकार जोड़ी राम लक्ष्मण के 'लक्ष्मण' पाटिल का निधन

प्रख्यात संगीतकार जोड़ी राम लक्ष्मण के

लक्ष्मण उर्फ विजय पाटिल का 78 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। विजय ने राम लक्ष्मण के नाम से 'मैंने प्यार किया, पत्थर के फूल, हम आपके हैं कौन और हम साथ-साथ हैं' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में संगीत दिया था।

चीन के प्रसिद्ध विज्ञानी युआन लोंगपिंग का निधन

चावल की संकर (हाइब्रिड) किस्म को

विकसित करने वाले प्रसिद्ध चीनी कृषि विज्ञानी युआन लोंगपिंग का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लोंगपिंग ने चावल के उत्पादन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुये देश-दुनिया की खाद्य समस्या को काफी हद तक हल किया।

परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष का निधन

परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्रीकुमार

बनर्जी का 70 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह 2012 में परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव पद से सेवानिवृत्त हुये थे। बनर्जी 2010 तक छह साल के लिये भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक भी रहे।

अर्जुन पुरस्कार विजेता टेबल टेनिस खिलाड़ी वी. चंद्रशेखर का निधन

भारत के पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी और अर्जुन

पुरस्कार विजेता वी. चंद्रशेखर का कोविड-19 से जुड़ी जटिलताओं के कारण एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 64 वर्ष के थे। चंद्रा नाम से मशहूर चंद्रशेखर तीन बार के राष्ट्रीय चैंपियन थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

आप जिस क्षेत्र में उतरना चाह रहे हैं, आपके पास उस काम की पूरी जानकारी होनी चाहिये - स्टीव जॉब्स

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-462011

NOTICE INVITING TENDER No. 944 (PMGSY-B.W)

No. 7656/22/D-12/MPRRDA/2021 Bhopal, Dated : 01.06.2021

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work** – Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **Table 1 - SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.09.2017 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Seoni	1	4533000.00

- **Table 2 - SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 05.11.2019 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Chhatarpur	2	127319000.00
2	Sagar	1	32426000.00

1. Bid document may be purchase online from 03.06.2021 (17:30 hrs) and last date for online bid submission is 21.06.2021 (17:00 hrs.)
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/100860/45561/2021 (T & e-G)

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति खरगोन
जिला- खरगोन (म.प्र.)

क्र/मंडी/नि./2021-22/136 खरगोन, दिनांक 01.06.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक 2021_MPSAM_144974, सिस्टम निविदा क्रमांक 2021_MPSAM_144975, सिस्टम निविदा क्रमांक 2021_MPSAM_144976 के अंतर्गत ऑनलाइन निविदाएं दिनांक 28.06.2021 को शाम 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मण्डी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.gov.in** पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट :- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

म.प्र. माध्यम/100886/45566/2021 **सचिव**

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.), Email: mpphcl_ujjain@yahoo.in
फोन नं. : 0734-2527715, मोबा. 9406808103

क्र. 584-85/पय/मप्रपुहाइडेकालि/21/उज्जैन दिनांक 4.6.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 06/2021-22 दिनांक 4.6.2021 के अंतर्गत जिला चिकित्सालय, देवास में एफ टाइप 4, जी टाइप 6 एवं एच टाइप 6 आवास गृहों का निर्माण कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2021_MPPHC_145222 एवं निविदा क्रमांक 07/2021-22 दिनांक 4.6.2021 के अंतर्गत खेल परिसर झाबुआ स्थित लॉन टेनिस कोर्ट में चेनलिंक फेंसिंग कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2021_MPPHC_145223 कुल 2 निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 4.6.2021 17.00 बजे** से क्रय किये जा सकते हैं एवं दिनांक 21.6.2021 18.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/100885/45565/2021 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P. – 462 011

IFB No. - WB –27/947

No. 7762/FA/WB/CMGSY/2021 Bhopal, Dated : 04.06.2021

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for up-gradation of Rural Road of Gravel Standards Constructed under CMGSY to Black top Standards under World Bank and AIIB Financed MPRC Project P-157054, as under :

S. No.	Name of District	Number of Packages	No. of Roads	Grand Total (In Rs.)
1.	Balaghat	4	7	47607000.00
2.	Bhind	2	8	36785000.00
3.	Bhopal	2	14	94429000.00
4.	Chhhindwara	1	2	31778000.00
5.	Damoh	1	2	15191000.00
6.	Guna	13	68	554197000.00
7.	Harda	3	3	22524000.00
8.	Jabalpur	4	17	113587000.00
9.	Katni	5	16	101911000.00
10.	Mandsour	1	1	20450000.00
11.	Morena	1	13	50585000.00
12.	Panna	4	17	165467000.00
13.	Raisen	2	4	23319000.00
14.	Rajgarh	2	6	51185000.00
15.	Rewa	5	9	58525000.00
16.	Sagar	4	13	76430000.00
17.	Sehore	2	5	25781000.00
18.	Sheopur	1	5	51400000.00
19.	Shivpuri	7	37	283202000.00
20.	Sidhi	1	1	4186000.00
21.	Umaria	1	2	14581000.00
22.	Vidisha	5	16	107138000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.06.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/100882/45568/2021 (T & e-G)

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452001 (M.P.)
Phone : (0) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629
Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in CIN : U51102MP1977SGC001392

No. MPIDC/RO/IND/TECH/21/6338 Date : 04.06.2021

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for below works :

S. No.	Name of Work	EMD (in Rs.)	Cost of Tender Form	Last Date of Submission
1.	External Electrification for new tube well and ADM Building at I/a Hatod Jhabua, M.P.	9600/-	2360/- (i/c GST)	21.06.2021
2.	11 KV line work for Industrial Connection at Industrial area Pithampur Sector – 3.	29000/-	2360/- (i/c GST)	21.06.2021

The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.** Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.
M.P. Madhyam/100889/45564/2021 **EXECUTIVE ENGINEER**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, परियोजना खण्ड कटनी

क्रमांक/1682/का.यं./नि.प्रको./लो.स्वा.यां./परि.खण्ड/21 कटनी, दिनांक 28.05.2021

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 01-03/2021-22

ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptender.gov.in** पर कटनी जिले के विभिन्न विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत आर.सी.सी. ओवर हैड टैंक निर्माण, सी.सी. सम्पवेल निर्माण मोटर पंप स्थापना, पंप हाउस/सम्पवेल निर्माण, पाइप लाइन बिछाने का कार्य, घर-घर कनेक्शन एवं योजना का 90 दिन ट्रायलरन सफल संचालन एवं संधारण कार्य हेतु निम्नानुसार आमंत्रित है।

निविदा क्रमांक	सिस्टम निविदा क्र.	विकास खण्ड	ग्राम की संख्या	निविदा की कुल लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
01/21_22	2021_PHED_141674_2	RITHI	3	167.29	167290	12500	6 माह	Registered under M.P. PWD New centralized registration Scheme
02/21_22	2021_PHED_141675_2	RITHI	2	151.69	151690	12500	6 माह	
03/21_22	2021_PHED_141676_2	RITHI	2	124.32	124320	12500	6 माह	

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि - **12.06.2021 18.00 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि - 12.06.2021 18.00 बजे
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि - 14.06.2021 12.00 बजे

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेबसाइट पर देखें।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
जी-12889/45553/2021 परियोजना खण्ड कटनी फोन नं. - 07622-225752

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) संभाग क्र.-1, रीवा
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 06/2021-2022 रीवा, दिनांक 25.05.2021

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र-अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	1. अमानत राशि 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्र. 2. कार्यावधि सहित/छोड़कर
1.	PWDRB 143530	रीवा गड़ी मार्ग (एम.डी.आर.) लंबाई 17.80 कि.मी. में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	227.00	1. 227000/- 2. 15000/-	1. प्रथम 2. आठ माह
2.	PWDRB 143543	मेडिकल कॉलेज आवासीय कॉलोनी के सोल्डर मरम्मत एवं पेवर ब्लॉक का कार्य।	41.73	1. 50000/- 2. 5000/-	1. प्रथम 2. तीन माह
3.	PWDRB 143545	वैकुंठपुर देवास लालगांव मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/6 तक मार्ग निर्माण लम्बाई 0.60 कि.मी. का कार्य।	82.55	1. 82550/- 2. 10000/-	1. प्रथम 2. तीन माह
4.	PWDRB 143546	मझरिया तालाब एवं गौतमान पहुंच मार्ग तिवनी लंबाई 4.90 कि.मी. में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	70.31	1. 70310/- 2. 10000/-	1. प्रथम 2. चार माह
5.	PWDRB 143547	क्योटी से जनकहाई मार्ग लंबाई 6.00 कि.मी. में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	125.44	1. 125440/- 2. 12500/-	1. प्रथम 2. चार माह
6.	PWDRB 143548	कॉस्ट्रक्शन ऑफ देवतालाव कॉलेज पहुंच मार्ग लं. 460 मीटर	21.26	1. 42520/- 2. 5000/-	1. प्रथम 2. तीन माह
7.	PWDRB 143549	उपसंभाग मऊगंज में कोर्ट कैम्पस हनुमना का मरम्मत कार्य।	19.35	1. 38700/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. तीन माह
8.	PWDRB 143550	उपसंभाग मनगवां में उपखण्ड मनगंवा के अंतर्गत नगर पंचायत/ग्राम पंचायत चुनाव के व्यवस्था कार्य।	5.00	1. 10000/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. तीन माह
9.	PWDRB 143551	उपसंभाग त्योंथर में सोनवर्षा खामा मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का कार्य।	17.16	1. 34320/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. तीन माह
10.	PWDRB 143552	उपसंभाग क्र.1 के अंतर्गत उपखण्ड सिविल लाइन में सर्किट हाउस के भवनों का मरम्मत कार्य।	16.17	1. 32340/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. तीन माह
11.	PWDRB 143553	उपसंभाग मऊगंज के अंतर्गत उपखण्ड मऊगंज में गैर आवासीय भवन रेस्ट हाउस का मरम्मत कार्य।	19.01	1. 38020/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. तीन माह
12.	PWDRB 143554	देवतालाव में निर्मित सुलभ कॉम्प्लेक्स में अतिरिक्त कार्य।	6.74	1. 13480/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. दो माह
13.	PWDRB 143555	उपसंभाग त्योंथर के अंतर्गत ग्राम पटेहरा एवं कटरा में विटनरी डिस्पेंसरी भवन का मरम्मत कार्य।	4.31	1. 8620/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. दो माह
14.	PWDRB 143556	उपसंभाग त्योंथर में कोनी पहुंच मार्ग लं. 2.00 कि.मी. में ओ.वी.टी. का कार्य।	17.45	1. 34900/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. दो माह
		कुल योग	**673.48**		

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 14.06.2021 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-12902/45555/2021 कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. संभाग क्र. 1, रीवा

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान – खेल

1. **वर्ष 2016 में किस खिलाड़ी को आईसीसी वन-डे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था?**
   (अ) क्विंटन डिकॉक
   (ब) विराट कोहली
   (स) जोस बटलर
   (द) रोहित शर्मा
2. **इस वर्ष पोर्श टेनिस ग्रांप्री में महिला एकल वर्ग की विजेता बनी हैं?**
   (अ) एंजेलिक कर्बर
   (ब) एश्ले बार्टी
   (स) आर्यना सबालेंका
   (द) सिमोना हालेप
3. **द हंड्रेड लीग किस खेल से संबंधित है?**
   (अ) बैडमिंटन (ब) फुटबॉल
   (स) बास्केटबॉल (द) क्रिकेट
4. **वर्ष 2014 में किस देश ने महिला रग्बी वर्ल्ड कप जीता है?**
   (अ) अमेरिका (ब) न्यूजीलैंड
   (स) इंग्लैंड (द) फ्रांस
5. **लंदन ओलिंपिक-2012 में पुरुषों की लॉन्ग जंप स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता है?**
   (अ) डेविड स्टोर्ल
   (ब) क्रिस्टियन टेलर
   (स) माइकल वॉट
   (द) ग्रेग रदरफोर्ड
6. **किस तारीख को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है?**
   (अ) 29 अगस्त (ब) 29 जुलाई
   (स) 12 अक्टूबर (द) 19 सितम्बर
7. **इस वर्ष इनमें से कौन-सी फॉर्मूला-वन रेस आयोजित नहीं होगी?**
   (अ) रशियन ग्रांप्री
   (ब) चाइनीज ग्रांप्री
   (स) ब्रिटिश ग्रांप्री
   (द) डच ग्रांप्री
8. **वर्ष 1990 में फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप किस देश में आयोजित किया गया था?**
   (अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) इटली
   (स) ब्राजील (द) अमेरिका
9. **इनमें से किस खेल में अपर कट टर्म का इस्तेमाल होता है?**
   (अ) मुक्केबाजी (ब) हॉकी
   (स) निशानेबाजी (द) कुश्ती
10. **वर्ष 2018 में इनमें से किस खिलाड़ी को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार मिला है?**
    (अ) योगेश्वर दत्त
    (ब) विजेंदर सिंह
    (स) मीराबाई चानू
    (द) साइना नेहवाल
11. **इस वर्ष टेक्सास ओपन गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब किसने जीता है?**
    (अ) जॉर्डन स्पीथ
    (ब) टाइगर वुड्स
    (स) जिमी वॉकर
    (द) केविन चैपल
12. **बाइचुंग भूटिया ने भारत के लिए कितने अंतर्राष्ट्रीय गोल किए हैं?**
    (अ) 36 (ब) 40
    (स) 45 (द) 52
13. **इनमें से किस खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा टी-20 मैचों में कप्तानी करने का रिकॉर्ड है?**
    (अ) इयॉन मोर्गन
    (ब) केन विलियम्सन
    (स) महेन्द्र सिंह धोनी
    (द) असगर अफगान
14. **वर्ष 2016 में किस देश ने थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता है?**
    (अ) दक्षिण कोरिया
    (ब) मलेशिया
    (स) जापान
    (द) डेनमार्क
15. **वालीबॉल खेल में एक टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?**
    (अ) 5 (ब) 6
    (स) 8 (द) 9
16. **माइकल ओवेन किस देश के दिग्गज फुटबॉलर रह चुके हैं?**
    (अ) फ्रांस (ब) जर्मनी
    (स) इंग्लैंड (द) अर्जेंटीना
17. **ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने वन-डे क्रिकेट में कितने मैच लगातार जीतने का रिकॉर्ड बनाया है?**
    (अ) 18 (ब) 20
    (स) 22 (द) 23
18. **एशियन गेम्स-2018 में किस देश ने वेटलिफ्टिंग में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते हैं?**
    (अ) उत्तर कोरिया
    (ब) दक्षिण कोरिया
    (स) कजाकिस्तान
    (द) ईरान
19. **रियो ओलिंपिक में बैडमिंटन में पुरुष एकल वर्ग में चैम्पियन बने थे?**
    (अ) लिन डेन
    (ब) ली चोंग वेई
    (स) चेन लोंग
    (द) विक्टर एक्सेलसन
20. **राफेल नडाल ने कितनी बार बार्सिलोना ओपन में पुरुष एकल खिताब जीता है?**
    (अ) 08 (ब) 10
    (स) 09 (द) 12
21. **ब्रायन लारा ने टेस्ट क्रिकेट में 400 रन की पारी किस देश के खिलाफ खेली थी?**
    (अ) इंग्लैंड (ब) ऑस्ट्रेलिया
    (स) बांग्लादेश (द) न्यूजीलैंड
22. **अभिनव बिंद्रा ने ओलिंपिक में निशानेबाजी की किस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था?**
    (अ) डबल ट्रैप
    (ब) 10 मीटर एयर राइफल
    (स) स्कीट
    (द) रैपिड फायर पिस्टल
23. **वर्ष 2020 में आईपीएल का आयोजन किस देश में किया गया था?**
    (अ) श्रीलंका
    (ब) अमेरिका
    (स) यूएई
    (द) इनमें से कोई नहीं
24. **साइना नेहवाल ने किस वर्ष मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट का खिताब जीता था?**
    (अ) वर्ष 2015 (ब) वर्ष 2017
    (स) वर्ष 2018 (द) वर्ष 2020
25. **रोहित शर्मा ने वन-डे क्रिकेट में कितने शतक बनाए हैं?**
    (अ) 25 (ब) 26
    (स) 29 (द) 31

उत्तर

1. (अ), 2. (ब), 3. (द), 4. (स), 5. (द), 6. (अ), 7. (ब), 8. (ब), 9. (अ), 10. (स), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (द), 15. (ब), 16. (स), 17. (द), 18. (अ), 19. (स), 20. (द), 21. (अ), 22. (ब), 23. (स), 24. (ब), 25. (स)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

बहुगुणा का महाप्रयाण भी एक संदेश है कि पर्यावरण बचेगा तो जीवन बचेगा

एक महान व्यक्ति का आचार, व्यवहार और आचरण तो उनके जीवन मूल्यों को परिलक्षित करता ही है उनका अवसान भी एक जीवंत संदेश होता है। सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् सुन्दरलाल बहुगुणा का 21 मई को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में कोरोना संक्रमण से निधन हो गया। बहुगुणा के इस महाप्रयाण में भी यह संदेश अन्तर्निहित रहा कि कोरोना महामारी ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि पर्यावरण सुरक्षित है तो ही जीवन सुरक्षित रहेगा। उनका अवसान एक बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा है कि सुंदरलाल बहुगुणा का निधन हमारे देश के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने के हमारे सदियों पुराने लोकाचार को प्रकट किया। उनकी सादगी और करुणा की भावना को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। मेरे विचार उनके परिवार और कई प्रशंसकों के साथ हैं। पर्यावरण के संरक्षण के लिये उनका अवदान एक महान उपलब्धि है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी थे बहुगुणा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलने वाले सुंदरलाल बहुगुणा ने सत्तर के दशक में पर्यावरण सुरक्षा को लेकर एक अभियान चलाया था जिसने पूरे देश में अपना एक व्यापक असर छोड़ा। इसी दौरान शुरू हुआ 'चिपको आंदोलन' भी इनकी प्रेरणा से ही शुरू किया गया था। हिमालय के गढ़वाल इलाके में पेड़ों की कटाई के विरोध में शांतिपूर्ण ढंग से चलाये गये चिपको आंदोलन का चरम मार्च 1974 में सतह पर आया जब वृक्षों की कटाई के विरोध में स्थानीय महिलाएं पेड़ों से चिपक कर खड़ी हो गई, दुनिया ने इसे चिपको आंदोलन के नाम से जाना। सुंदरलाल बहुगुणा ने इस आंदोलन के माध्यम से विश्व को यह संदेश दिया कि पर्यावरण को बचाने के लिये प्राणोंत्सर्ग के चरम तक के लिये तैयार रहना चाहिए। इसी आंदोलन के बाद बहुगुणा को वृक्ष मित्र कहा जाने लगा। हिमालय के रक्षक के नाम से भी पहचाने जाने वाले सुंदरलाल बहुगुणा का जन्म उत्तराखंड के टिहरी के एक गांव में 09 जनवरी 1927 को हुआ था। अपने जीवनकाल में उन्होंने कई आंदोलनों की अगुवाई की, फिर चाहे वो शुरुआत में छुआछूत का मुद्दा हो या फिर बाद में महिलाओं के हक में आवाज़ उठाना हो। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अनुयायी बहुगुणा की वर्ष 1949 में मीरावेन व ठक्कर बाप्पा से मुलाकात हुई। बहुगुणा ने दलित विद्यार्थियों की आवासीय समस्या के समाधान के लिये 'ठक्कर बाप्पा छात्रवासों' की स्थापना भी की। इन दोनों के सानिध्य में ही उनका समाज सुधार का सफर शुरू हुआ।

राजशाही के खिलाफ भी बहुगुणा ने आज़ादी के पहले लड़ाई लड़ी थी

अपने शिक्षणकाल में ही सुंदरलाल बहुगुणा टिहरी की राजशाही के खिलाफ लामबंद हो गये थे। टिहरी राजशाही के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे श्रीदेव सुमन से वे छिप-छिपकर मिलते थे। एक बार श्रीदेव सुमन ने उन्हें कोर्ट में दिया गया अपना एक बयान दिया। बहुगुणा ने यह बयान दिल्ली भेज दिया। मीडिया ने इस बयान को हाथों-हाथ लिया और वो अखबारों में छप गया। यह खबर लगते ही बहुगुणा को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। अस्वस्थ्य होने से जब वे रिहा किये गये तो वे लाहौर चले गये। वर्ष 1947 में जब वे टिहरी लौटे तो राजशाही के खिलाफ जनविद्रोह अपने चरम पर था। अपने भी प्रजामण्डल में शामिल होकर राजशाही के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में भाग लिया और अंततः जनवरी 1948 में टिहरी को राजशाही से मुक्ति मिली और यह सूचना जब बहुगुणा ने महात्मा गांधी को दी तो उन्होने बहुगुणा की पीठ थपथपाते हुए कहा था तुमने तो मेरी अहिंसा को हिमालय पर उतार दिया।

पुरस्कार से हटकर वे जनसमर्थन को सच्चा सम्मान मानते थे

उन्हे अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। वे सम्मान और पुरस्कार को बड़े सहज भाव से ग्रहण करते थे। सम्मान और पुरस्कार से हटकर वे जनसमर्थन को सच्चा सम्मान मानते थे। पर्यावरण के क्षेत्र में बहुमूल्य काम करने के लिए वर्ष 1981 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा था। किंतु उन्होंने यह पुरस्कार लेने से मना कर दिया। उनका कहना था कि जब तक पेड़ कटते रहेंगे, तब तक मैं इस पुरस्कार को स्वीकार नहीं कर सकता। वर्ष 1986 में उन्हें रचनात्मक कार्यों के जमनालाल बजाज पुरस्कार, वर्ष 1987 में चिपको आंदोलन के लिये राइट लाईवलीहुड पुरस्कार, वर्ष 1987 में ही शेर ए कश्मीर और सरस्वती पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 1989 में भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान रुड़की ने आपको सामाजिक विज्ञान के लिये डॉक्टर की मानद उपाधि से सम्मानित किया। वर्ष 1998 में पहल सम्मान, वर्ष 1999 में गाँधी सेवा सम्मान, वर्ष 2000 में पार्लियामेंट्री फोरम का सत्यपाल मित्तल अवॉर्ड और वर्ष 2001 में आपको दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया।

उनके अवसान से विश्व ने एक सच्चा पर्यावरण हितैषी खो दिया है

सिर्फ देश ही नहीं अपितु समूची दुनिया में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के सबसे बड़े प्रतीक में शामिल सुंदरलाल बहुगुणा ने वर्ष 1972 में चिपको आंदोलन के माध्यम से देश-दुनिया को वनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप चिपको आंदोलन की गूँज समूची दुनिया में सुनाई पड़ी। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी बहुगुणा का नदियों, वनों और प्रकृति से बेहद गहरा जुड़ाव था। वह पारिस्थितिकी को सबसे बड़ी आर्थिकी मानते थे। यही वजह भी है कि वह उत्तराखंड में बिजली की जरूरत पूरी करने के लिए छोटी-छोटी परियोजनाओं के पक्षधर थे। इसीलिए वह टिहरी बांध जैसी बड़ी परियोजनाओं के पक्षधर नहीं थे। इसे लेकर उन्होंने वृहद आंदोलन शुरू कर पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाई थी। उनके अवसान से विश्व ने एक सच्चा पर्यावरण हितैषी को दिया है।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.) Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011

NOTICE INVITING TENDER FROM CONSULTANTS FOR CONDUCTING TRAFFIC SURVEY FOR DPR PREPARATION (E-PROCUREMENT NOTICE)

No./7625/22/D-12/DPR-Cons./PMGSY-III/MPRRDA/21
Bhopal, Date : 01.06.2021

Online Bids are invited from the reputed Consultants for Conducting Traffic Survey by installing automatic traffic counter and classifier (ATCC) with or without axle load survey for preparation of **Detailed project reports of Roads under MPRRDA;**

- **District – Bhopal**
- **Package-02**

Total - No. of Locations - 150

1. RFP document may be seen and downloaded from e-procurement system portal from **17:30 hrs on 02.06.2021.**
2. Last date for Bid Submission is **29.06.2021 upto 17:30 hrs.**
3. Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT, RFP Document (May 2021) for Conducting Traffic survey in selected location on specified Roads is available on E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Madhyam/100850/45560/2021 **CHIEF GENERAL MANAGER**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P. – 462 011

IFB No. - WB –26/946

No. 7759/FA/WB/CMGSY/2021 **Bhopal, Dated : 04.06.2021**

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Construction/Up-gradation of Rural Roads under World Bank and AIIB Financed MPRC Project P-157054, as under :

S. No.	Name of District	Number of Packages	No. of Roads	Grand Total (In Rs.)
1.	Betul	1	1	13267000.00
2.	Rajgarh	1	1	60667000.00
3.	Guna	3	6	129428000.00
4.	Ujjain	1	1	40272000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.06.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/100881/45567/2021 **(T & e-G)**

खेल चर्चा

ब्राजील में आयोजित होगा कोपा अमेरिका कप

साउ पाउलो, ब्राजील इस महीने आयोजित होने वाले कोपा अमेरिका कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। दक्षिण अमेरिका की सर्वोच्च फुटबॉल संस्था कॉनमेबोल ने इसकी घोषणा की है। पहले यह टूर्नामेंट 13 जून 2021 से अर्जेंटीना और कोलंबिया में आयोजित होना था। कोलंबिया में राजनीतिक अस्थिरता के कारण कुछ दिन पहले ही कोलंबिया से टूर्नामेंट की सह मेजबानी वापस ले ली गई थी, वहीं अब अर्जेंटीना में कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुये अर्जेंटीना को भी टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले मेजबानी से बेदखल किया गया है। हालांकि कॉनमेबोल ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि टूर्नामेंट के शेड्यूल में बदलाव होगा या नहीं। ब्राजील छठवीं बार इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इस बार कोपा अमेरिका कप में 10 टीमें खेलेंगी। टूर्नामेंट के ग्रुप-ए में अर्जेंटीना, बोलिविया, उरुग्वे, चिली और पैराग्वे को रखा गया है, वहीं ग्रुप-बी में ब्राजील, कोलंबिया, वेनेजुएला, इक्वाडोर और पेरू को रखा गया है।

फ्रेजर प्राइस ने दोहा डायमंड लीग में जीता स्वर्ण पदक

दोहा, जमैका की दिग्गज धाविका शैली एन फ्रेजर प्राइस ने दोहा डायमंड लीग में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है। प्राइस ने स्पर्धा में 10.84 सेकेंड का समय निकाला। यह इस वर्ष का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। प्राइस ओलिंपिक खेलों में 100 मीटर स्पर्धा में दो बार (वर्ष 2008 और 2012) में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। प्राइस इस वर्ष आयोजित होने वाले टोक्यो ओलिंपिक में भी 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर स्पर्धा में पदक की दावेदार हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप

आईसीसी ने फाइनल को लेकर जारी की प्लेइंग कंडीशन

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस महीने खेले जाने वाले आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के लिये प्लेइंग कंडीशन की घोषणा कर दी है। आईसीसी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला फाइनल मुकाबला अगर टाई या ड्रॉ रहता है तो दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जायेगा। इसके अलावा अगर पूरे पांच दिन के खेल के बाद परिणाम नहीं प्राप्त हुआ तो मैच रिज़र्व डे में खेला जायेगा। मैच में ड्यूक-1 गेंद का इस्तेमाल किया जायेगा। आईसीसी ने कहा कि मैच के दौरान थर्ड अंपायर मैदानी अंपायर द्वारा शॉर्ट रन की किसी भी कॉल की स्वतः समीक्षा करेगा और अगली गेंद फेंकने से पहले मैदानी अंपायर को बतायेगा।

ओलिंपिक में टीकाकरण करवा चुके फैंस को मिल सकती है एंट्री

टोक्यो, जापान में आयोजित होने वाले टोक्यो ओलिंपिक में कोरोना वैक्सीन का टीका लगवा चुके फैंस को एंट्री मिल सकती है। जापानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ओलिंपिक आयोजन समिति उन फैंस को प्रतियोगिता स्थल पर आने की अनुमति दे सकती है, जो टीकाकरण करवा चुके हैं। इसके अलावा फैंस के पास एंट्री के लिये नेगेटिव कोविड रिपोर्ट होना जरूरी होगा। ओलिंपिक में घरेलू फैंस को एंट्री देने पर ओलिंपिक आयोजन समिति जून के अंत में फैसला लेगी।

आईसीसी बोर्ड की बैठक

ट्वेंटी-20 विश्वकप पर 28 जून तक फैसला करे बीसीसीआई

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को कोरोना महामारी के संकट के बीच भारत में आयोजित होने वाले ट्वेंटी-20 विश्वकप की मेजबानी पर फैसला लेने के लिये 28 जून तक का समय दिया है। आईसीसी ने यह निर्णय बोर्ड की ऑनलाइन बैठक में लिया। इस बैठक में बीसीसीआई की तरफ से अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह ने हिस्सा लिया।

बैठक में बीसीसीआई ने ट्वेंटी-20 विश्वकप के आयोजन की योजना बनाने के लिये एक महीने का समय मांगा था, जिसे आईसीसी बोर्ड ने सर्वसम्मति से स्वीकृत किया। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने बताया कि बीसीसीआई के अनुरोध को आईसीसी ने स्वीकार किया है। अब बीसीसीआई के पास 28 जून तक का समय है। बीसीसीआई अगर टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं कर पाता है, तो इसे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जायेगा।

आईसीसी ने जारी किया एफटीपी

आईसीसी बोर्ड की बैठक में 2024 से 2031 तक के लिये भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) की घोषणा की गई है। आईसीसी ने कहा कि नये एफटीपी में ट्वेंटी-20 विश्वकप के लिये हर दो साल में विंडो रखी गई है। आठ वर्ष के लिये तैयार किये गये एफटीपी के तहत वर्ष 2024, 2026, 2028 और 2030 में ट्वेंटी-20 विश्वकप आयोजित किया जायेगा, वहीं वर्ष 2027 और 2031 में वन-डे विश्वकप को जगह दी गई है। आईसीसी ने कहा कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से शुरू किया जायेगा। चैंपियंस ट्रॉफी वर्ष 2025 और 2029 में आयोजित की जायेगी।

विश्वकप में बढ़ेगी टीमों की संख्या

आईसीसी वन-डे और ट्वेंटी-20 विश्वकप में टीमों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। वर्ष 2027 और 2031 में वन-डे विश्वकप में 14 टीमें खेलेंगी। विश्वकप में 7-7 टीमों के दो ग्रुप होंगे। इन ग्रुप्स की शीर्ष 3-3 टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल होंगे। वर्ष 2003 में वन-डे विश्वकप इसी फॉर्मेट में खेला गया था, जबकि वर्ष 2019 के वन-डे विश्वकप में 10 टीमें खेली थीं।

इसी तरह ट्वेंटी-20 विश्वकप में भी टीमों की संख्या में इजाफा किया गया है। वर्ष 2024, 2026, 2028 और 2030 में आयोजित होने वाले ट्वेंटी-20 विश्वकप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। आईसीसी ने कहा कि वर्ष 2021 और 2022 में आयोजित होने वाले ट्वेंटी-20 विश्वकप के फॉर्मेट में बदलाव नहीं किया गया है। इनमें 16 टीमें खेलेंगी।

चेल्सी ने जीता चैम्पियंस लीग का खिताब

पोर्तो, इंग्लिश फुटबॉल क्लब चेल्सी ने अपने हमवतन क्लब मैनचेस्टर सिटी को हराकर यूएफा चैम्पियंस लीग का खिताब अपने नाम किया है। चेल्सी ने नौ साल बाद यह टूर्नामेंट जीता है। इससे पहले चेल्सी ने वर्ष 2012 में खिताब जीता था। चेल्सी ने टूर्नामेंट के फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल 42वें मिनट में चेल्सी के लुकास हावर्ट्ज ने किया। चेल्सी की जीत में हावर्ट्ज के अलावा गोलकीपर एडुवार्ड मेंडी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मेंडी ने मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकरों के गोल करने के कई प्रयासों को असफल किया। उल्लेखनीय है कि मैनचेस्टर सिटी ने इस वर्ष प्रीमियर लीग का खिताब जीता है। मैनचेस्टर सिटी की टीम पहली बार चैम्पियंस लीग के फाइनल में पहुंची थी।

शाहिदी बने अफगानिस्तान के टेस्ट और वन-डे टीम के कप्तान

काबुल, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अनुभवी खिलाड़ी असगर अफगान को टेस्ट और वन-डे क्रिकेट टीम की कप्तानी से हटा दिया है। बोर्ड ने असगर की जगह युवा बल्लेबाज हशमतुल्लाह शाहिदी को टेस्ट और वन-डे टीम की कप्तानी सौंपी है। वहीं रहमत शाह को टीम का उपकप्तान बनाया है। हालांकि बोर्ड ने ट्वेंटी-20 टीम के कप्तान के नाम की घोषणा नहीं की है। विश्व के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ट्वेंटी-20 टीम के उपकप्तान बने रहेंगे। माना जा रहा है कि मार्च 2021 में असगर की कप्तानी में टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इस सीरीज में बतौर कप्तान असगर की काफी आलोचना हुई थी।

यूएई में आयोजित होंगे आईपीएल के शेष मुकाबले

मुंबई, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल-2021) के शेष मुकाबले अब संयुक्त अरब अमीरात में खेले जायेंगे। यह फैसला बीसीसीआई की विशेष आम बैठक में लिया गया है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बताया कि आईपीएल-2021 के बचे हुये 31 मैच अब यूएई में खेले जायेंगे।

बीसीसीआई ने कहा कि इस वर्ष सितंबर और अक्टूबर माह में आईपीएल के लिये विंडो तलाश की गई है। सितंबर-अक्टूबर में भारत में मानसूनी मौसम को देखते हुये टूर्नामेंट के दूसरे चरण को यूएई में स्थानांतरित किया गया है। दूसरे चरण के मुकाबले 17 से 20 सितंबर के बीच से शुरू हो सकते हैं, वहीं फाइनल मैच 10 अक्टूबर को दुबई में खेला जायेगा।

यूएई में आईपीएल के मुकाबलों के लिये दर्शकों को स्टेडियम में एंट्री मिल सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार अमीरात क्रिकेट बोर्ड 50 प्रतिशत दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दे सकता है। बोर्ड ने इसके लिये शर्त रखी है कि वैक्सीनेशन करवा चुके लोग ही स्टेडियम में मैच देख सकेंगे।

यूएई इससे पहले भी दो बार आईपीएल की मेजबानी कर चुका है। वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव के कारण आईपीएल दो चरणों में आयोजित किया गया था। टूर्नामेंट का पहला चरण यूएई में तथा दूसरा चरण भारत में आयोजित किया गया था। वर्ष 2020 में विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण आईपीएल को यूएई में आयोजित किया गया था।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप

संजीत और पूजा ने जीते स्वर्ण पदक

दुबई, भारतीय मुक्केबाजों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते हैं। टूर्नामेंट में भारत के लिए संजीत कुमार और पूजा रानी ने स्वर्ण जीते। इसके अलावा टूर्नामेंट में भारतीय मुक्केबाजों ने 5 रजत और 8 कांस्य सहित कुल 15 पदक जीते हैं।

चैम्पियनशिप में पुरुष वर्ग में भारत के तीन मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। संजीत कुमार ने पुरुषों की 91 किलोग्राम हेवीवेट भार वर्ग में रियो ओलिंपिक के रजत पदक विजेता कजाकिस्तानी मुक्केबाज वैसिली लेवित को 4-1 से हराया। भारत को 52 किलोग्राम फ्लाइवेट भार वर्ग में विश्व के नंबर वन मुक्केबाज अमित पंघाल से भी स्वर्ण पदक की उम्मीद थी, लेकिन अमित को ओलिंपिक चैम्पियन जोइरोव शाखोबिदीन के हाथों 3-2 से हार

का सामना करना पड़ा। वहीं 64 किलोग्राम लाइटवेट भार वर्ग में भारत के शिव थापा को मंगोलियाई मुक्केबाज बातरसुख चिंजोरिगो ने 3-2 से हराया।

चैम्पियनशिप भारत की पूजा रानी ने महिलाओं की 75 किलोग्राम मिडिलवेट भार वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूजा ने फाइनल में उज्बेकिस्तान की माबलुदा मोवलोनोवा को 5-0 से हराया। पूजा ने वर्ष 2019 में भी इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था।

यूरोपा लीग

विलारियल ने पहली बार जीता खिताब

गडांस्क, स्पेनिश फुटबॉल क्लब विलारियल ने यूरोपा लीग का खिताब जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में विलारियल ने इंग्लैंड के दिग्गज क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड को बेहद रोमांचक मुकाबले में पेनाल्टी शूट-आउट में 11-10 से हराया। विलारियल ने पहली बार यह खिताब अपने नाम किया है।

पहले हाफ में विलारियल रही आगे

फाइनल मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमें रक्षात्मक रणनीति के साथ उतरीं। विलारियल ने शुरुआत में संतुलित खेल दिखाने के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड की रक्षा पंक्ति पर धावा बोला। मैच के 29वें मिनट में विलारियल की रणनीति कामयाब रही। विलारियल के लिये गेरार्ड मोरेना ने शानदार गोल कर टीम की बढ़त 1-0 कर दी। पहले हाफ के अंत तक विलारियल 1-0 से आगे रही।

मैच के दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने विलारियल पर पूरी तैयारी के साथ काउंटर अटैक किया। मैच के 55वें मिनट में मैनचेस्टर यूनाइटेड के एडिसन कवानी ने बराबरी का गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमें निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं कर सकीं। मैच का स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद खेल अतिरिक्त समय में गया। यहां भी कोई परिणाम नहीं निकला।

रोमांचक रहा पेनाल्टी शूटआउट

विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट के जरिए हुआ दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पेनाल्टी शूटआउट में गोल किए। यह पेनाल्टी शूटआउट काफी लंबा चला। दोनों टीमों के साथी 10-10 खिलाड़ियों ने पेनाल्टी शूटआउट में गोल किए। आखिर में दोनों टीमों के गोलकीपरों को पेनाल्टी लेने के लिए आना पड़ा। विलारियल के गोलकीपर गेरोनिमो रूली पेनाल्टी को गोल में तब्दील करने में कामयाब रहे साथ ही विपक्षी टीम के गोलकीपर डेविड डी गिया का गोल रोकने में भी सफल रहे। इसके साथ ही यूरोपा लीग का ताज विलारियल के सिर पर सज गया।

- **विलारियल के 98 वर्ष के इतिहास में पहली बड़ी ट्रॉफी है यूरोपा लीग।**
- **इस जीत के साथ विलारियल ने चैम्पियंस लीग के अगले सत्र में भी जगह बनाई है।**
- **विलारियल के कोच उनाइ इमरी का यह चौथा यूरोपा लीग खिताब है।**

जिदान ने रियल मैड्रिड के कोच पद से दिया इस्तीफा

मैड्रिड, फ्रांस के पूर्व फुटबॉलर और स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के कोच जिनेदिन जिदान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जिदान का रियल मैड्रिड के साथ करार जून 2022 तक का था, लेकिन उन्होंने इससे पहले ही पद छोड़ दिया। रियल मैड्रिड क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जिदान ने कोच के रूप में अपने कार्यकाल को खत्म करने का फैसला किया है। जिदान इससे पहले वर्ष 2016 से 2018 तक रियल मैड्रिड के कोच भी रह चुके हैं। जिदान के मार्गदर्शन में रियल मैड्रिड ने 2 बार फीफा क्लब वर्ल्ड कप, 2 बार यूएफा सुपर कप, 3 बार यूएफा चैंपियंस लीग सहित कुल 11 खिताब जीते हैं। इसके अलावा जिनेदिन जिदान वर्ष 1998 में विश्वकप जीतने वाली फ्रांसीसी टीम के कप्तान रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

■ सीरिया में ■

असद चौथी बार राष्ट्रपति बने

सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद को चुनाव में चौथी बार ऐतिहासिक जीत मिली है। बताया गया कि युद्धग्रस्त देश में चौथी बार असद का सात साल का कार्यकाल शुरू होगा। इन चुनावों को पश्चिमी देशों और असद के विरोधियों ने अवैध और पाखंड से भरा करार दिया था। असद की जीत को लेकर कोई शक नहीं था। अधिकारियों के मुताबिक, करीब 1.8 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दस साल से जारी संघर्ष से प्रभावित देश में विद्रोहियों और कुर्द बलों के नियंत्रण वाले इलाकों में मतदान नहीं हुआ।

भारत ने कहा

क्वाड के फैसलों पर जल्द अमल किया जाए

पिछले दिनों भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका पहुंचे। उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन से बातचीत के दौरान कहा कि क्वाड नेताओं की मार्च में हुई बैठक के दौरान हुए फैसलों पर अमल किए जाने को लेकर भारत चाहता है कि उचित तंत्र के जरिये इन फैसलों को लागू करने की सतत् निगरानी हो।

भारत का मानना है कि वैक्सीन निर्माण को लेकर क्वाड की पहल को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की जरूरत है। बल्कि मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर इसे गति दी जानी चाहिए।

ज्ञात रहे कि क्वाड नेताओं ने मार्च में अपनी वर्चुअल बैठक में एक मेगा वैक्सीन ड्राइव शुरू करने का निर्णय लिया था। जिसके तहत भारत में बड़ी मात्रा में कोरोना की वैक्सीन का उत्पादन किया जाना तय किया गया था। इस वैक्सीन की सप्लाई हिंद-प्रशांत क्षेत्र में की जाएगी। बड़ी मात्रा में प्रस्तावित वैक्सीन उत्पादन के लिए अमेरिका और जापान भारतीय कंपनियों

को वित्तीय सहायता देंगे, जबकि ऑस्ट्रेलिया लॉजिस्टिकल सपोर्ट देगा।

भारतीय दवा कंपनी को अमेरिकी मदद

मार्च में हुई बैठक में यह भी कहा गया था कि अमेरिका भारतीय दवा निर्माता बायलॉजिकल-ई को साल 2022 के आखिर तक एक अरब कोविड-19 टीकों का उत्पादन करने के लिए आर्थिक सहायता देगा। यह घोषणा क्वाड सम्मेलन के बाद व्हाइट हाउस की तरफ से जारी एक दस्तावेज में की गई थी।

सूत्रों ने कहा क्वाड के सदस्य देश विभिन्न स्तरों पर आने वाले दिनों में संपर्क बढ़ाएंगे।

क्वाड पर भारत का रुख स्पष्ट : जयशंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का अनौपचारिक क्वाड समूह समकालीन समय में उपजे 'बेहद महत्वपूर्ण अंतर' को पाटता है और नई दिल्ली इसमें अपनी सदस्यता को लेकर स्पष्ट है। क्वाड का लक्ष्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों के बीच नियम आधारित व्यवस्था को मजबूत करना है। वर्तमान में जहां वैश्विक और क्षेत्रीय जरूरतें हैं जिन्हें एक देश पूरा नहीं कर सकता, ऐसे महत्वपूर्ण अंतर को क्वाड पाटता है। इस अंतर को किसी एक द्विपक्षीय रिश्ते से भी दूर नहीं किया जा सकता और बहुपक्षीय स्तर पर भी इसका हल नहीं किया जा रहा है।

भारत ने डब्ल्यूएचओ का किया समर्थन

वायरस का सच सामने आना जरूरी

कोरोना संक्रमण के डेढ़ साल बाद भी यह सवाल अनुत्तरित है कि दुनियाभर में तबाही मचाने वाला कोरोना वायरस कहां से आया? इसके प्राकृतिक होने या प्रयोगशाला में निर्मित होने को लेकर कई तर्क-तथ्य दिए जा रहे हैं। सच का पता लगाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा दोबारा जांच की दुनियाभर में बढ़ती मांग का अब भारत ने भी समर्थन किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट और इससे जुड़े अध्ययन पर आगे की कार्रवाई व इसमें सभी के सहयोग की जरूरत है। मीडिया के सवालों के जवाब में बागची ने कहा, 'कोविड-19 की उत्पत्ति पर डब्ल्यूएचओ की तरफ से वैश्विक अध्ययन कराया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अध्ययन को आगे बढ़ाने और एक ठोस नतीजे तक पहुंचने की जरूरत है।' इससे पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अपनी खुफिया एजेंसियों को कोरोना वायरस के मूल का पता लगाकर तीन महीने में रिपोर्ट देने का आदेश दे चुके हैं।

सेरिंग तिब्बत की निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति बने

पेनपा सेरिंग ने धर्मशाला स्थित निर्वासन वाली तिब्बत सरकार सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। सेरिंग ने कहा कि वह चीन सरकार के साथ संपर्क करके चीन-तिब्बत संकट का परस्पर लाभकारी और अहिंसक समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। मुख्य न्यायाधीश आयुक्त सोनम नोर्बु डागपो ने पेनपा सेरिंग को कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू पाबंदियों के बीच सादे समारोह में पद की शपथ दिलाई। पेनपा निर्वासन वाली तिब्बत सरकार सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) के 17वें संसद के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित दूसरे राष्ट्रपति हैं। वह लोबसांग सांगेय की जगह लेंगे।

यूएन प्रमुख के दूसरे कार्यकाल का भारत ने किया समर्थन

संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख के तौर पर महासचिव एंतोनियो गुटेरेस की जनवरी 2022 से पांच वर्ष के दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से उम्मीदवारी का भारत ने समर्थन किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुटेरेस से मुलाकात की और उनके साथ गर्मजोशी के साथ हुई लंबी बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जिसमें कोरोना की चुनौती, वैक्सीन सप्लाई चेन को दुरुस्त करना, जलवायु से जुड़े मुद्दे, क्षेत्रीय चुनौतियां और अगस्त में संयुक्त राष्ट्र की अध्यक्षता के दौरान भारत की प्राथमिकताएं शामिल थीं। जयशंकर ने बैठक के बाद ट्वीट किया कि इस चुनौतीपूर्ण समय में संयुक्त राष्ट्र के यूएनएसजी के नेतृत्व को भारत महत्व देता है।

इजराइल

नेतन्याहू को हटा विपक्ष बनाएगा सरकार

हाल ही में हमास के साथ जंग लड़ चुका इजरायल अब सियासी जंग लड़ रहा है। वहां राजनीति ने ऐसा मोड़ ले लिया है, जिसने देश में सबसे लंबे समय तक पीएम रहे बेंजामिन नेतन्याहू को हाशिए पर धकेल दिया है। दरअसल, हयामिन हेहादाशी पार्टी के प्रमुख और राष्ट्रवादी नेता नफ्ताली बेनेट ने विपक्ष और मध्यमार्गी पार्टी येश अतिद के प्रमुख यायर लैपिड के साथ गठबंधन सरकार बनाने का ऐलान कर दिया है।

बेनेट 2019-20 में रक्षा मंत्री रहे, जबकि टीवी एंकर और पत्रकार से नेता बने यायर 2013-14 में वित्त मंत्री रह चुके हैं। मौजूदा स्थिति में बेनेट की पार्टी के बिना कोई भी सरकार नहीं बन सकती, इसलिए वे किंगमेकर बने हुए हैं। हालांकि सियासी पैंतरेबाजी किसी समझौते पर पहुंचती है, तो यह अलग-अलग विचारधारा वाली 8 छोटी

पार्टियों के बीच एक असहज गठबंधन होगा। क्योंकि इसमें वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं। प्रधानमंत्री का पद भी दो दावेदारों के बीच घूमता रहेगा - एक बेनेट और दूसरे यायर लैपिड। दोनों के बीच हुए समझौते के मुताबिक बेनेट 2023 तक पीएम रहेंगे और लैपिड विदेश मंत्री। बाद में लैपिड 2025 के चुनाव तक पीएम रहेंगे।

म्यांमार

सैन्य सरकार ने 4300 लोगों को 134 साल पुरानी जेल में कैद किया

म्यांमार की सैन्य सरकार ने लोकतंत्र समर्थकों को कुचलने की कार्रवाई में बीते चार महीने में 4,300 से ज्यादा लोगों को कैद कर दिया है। इनमें से ज्यादातर लोग बर्बरता और अत्याचारों के लिए बदनाम 134 साल पुरानी खतरनाक जेल में रखे गए हैं। इस जेल की क्षमता पांच हजार कैदियों की है। लेकिन हाल में इतने अधिक बंदी यहां लाए गए हैं कि इसमें क्षमता से दोगुने कैदी हो गए हैं। एक फरवरी को सेना द्वारा तख्ता पलट के बाद निर्वाचित नेताओं, पत्रकारों और सैकड़ों लोकतंत्र समर्थकों को यहां कैद किया गया है। इनमें कई को गोलियां लगने के जख्म भी हैं। हाल में यहां ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक सलाहकार और दो अमेरिकी पत्रकार भी कैद किए गए हैं।

ब्रिटिश राज में बनी यह जेल स्थापना के समय से ही बर्बरता के लिए कुख्यात है। उसके बाद सैनिक शासन में भी अत्याचार का सिलसिला यहां कायम रहा है। राजनीतिक बंदियों के लिए काम करने वाले यू बो क्यी ने कहा है कि उनको आशंका है कि सैनिक सरकार नहीं हटी और लोकतंत्र बहाल नहीं हुआ तो राजनीतिक बंदियों को फिर अत्याचारों का सामना करना पड़ेगा।

'डार्क मैटर'

वैज्ञानिकों ने पहला मानचित्र बनाया

फिजिक्स या नैचुरल फिलॉस्फी को लेकर कोई भी बुनियादी मिजाज की चर्चा अभी डार्क मैटर और डार्क एनर्जी पर आकर अटक जाती है। डार्क मैटर ऐसा रहस्यमयी पदार्थ है, जिसकी स्टडी वैज्ञानिक पिछले कई दशकों से कर रहे हैं। अब, वैज्ञानिकों ने इस रहस्यमय पदार्थ का अब तक का सबसे बड़ा नक्शा बनाया है। उन्होंने विशाल ब्रह्मांडीय रिक्तियों के स्थान का भी मानचित्रण किया है जहां भौतिकी के पारंपरिक नियम लागू नहीं हो सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय टीम ने अंतरिक्ष के उस 27 प्रतिशत हिस्से का मानचित्र तैयार किया, जिससे कोई प्रकाश बाहर नहीं निकलता। इस कारण इन्हें डार्क मैटर्स

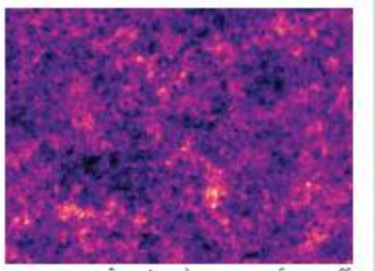

कहा जाता है। इंटरनेशनल डार्क एनर्जी सर्वे की टीम ने अंतरिक्ष की सौ गैलेक्सियों का अध्ययन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से किया। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के डॉ. नियाल जेफरी और पेरिस के इकोले नॉर्मले सुप्रीयर ने कहा, यह मानचित्र हमें ब्रह्मांड के नए हिस्सों को दिखाता है, जिन्हें पहले कभी नहीं देखा।

वियतनाम के 30 क्षेत्रों में मिला हवा में फैलने वाला नया वैरिएंट

कोरोनो की पहली लहर से निपटने में वियतनाम की रणनीति की दुनियाभर में तारीफ हुई थी। चीन से शुरू हुआ वायरस भी पड़ोसी देश वियतनाम में नहीं फैल पाया था। लेकिन अब यहां मिले नए वैरिएंट ने चिंता बढ़ा दी है। यह वैरिएंट के स्टेन बी-1.617 से मिलते जुलते हैं। दावा है कि यह वायरस हवा में तेजी से फैलता है। इस वैरिएंट के चलते वियतनाम में एक हफ्ते में कोरोना के 61% केस और 20% मौतें बढ़ी हैं। वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्री गुयेन थान लॉन्ग ने बताया कि यह वैरिएंट गले में तेजी से बढ़ता है और तेजी से आसपास के माहौल में फैलता है। लॉन्ग का कहना है कि कोरोना का नया वैरिएंट 30 से ज्यादा इलाकों में फैल चुका है। इसलिए इन इलाकों में कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। बड़े शहरों में भीड़ जमा होने पर प्रतिबंध है। धार्मिक कार्यक्रमों पर भी रोक लगा दी गई है। पब्लिक पार्क, रेस्तरां, बार, क्लब और स्पा भी बंद हैं। वियतनाम में अब तक 6908 कोरोना के मामले सामने आ चुके हैं। 2829 ठीक हो चुके हैं। जबकि सिर्फ 47 लोगों की मौत हुई है। वहीं 9.7 करोड़ की आबादी वाले वियतनाम में फिलहाल एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड की

कोरोना वैक्सीन लगाई जा रही है।

इधर, ब्रिटेन में नया वैरिएंट सामने आने के बाद 27% केस और 43% मौतें बढ़ गई हैं। इसे लेकर वैज्ञानिक भी चिंतित होने लगे हैं। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रवि गुप्ता ने कहा - 'ब्रिटेन में तीसरी लहर के संकेत मिलने लगे हैं। देश में पिछले 10 दिन में कोरोना के केस तेजी से बढ़े हैं। जिसकी मुख्य वजह नया वैरिएंट है।' दूसरी ओर, इंग्लैंड में 21 जून को कोरोना वायरस प्रतिबंधों में ढील का अंतिम चरण लागू होगा। इसे लेकर प्रोफेसर गुप्ता ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर देश में लॉकडाउन में और ढील दी गई तो ब्रिटेन में बी-1.617 वायरस गति पकड़ सकता है, जो देश के लिए बड़ी समस्या बन सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में बी-1.617 प्रकार के मामले एक हफ्ते में दोगुने होकर करीब सात हजार हो गए। इससे अनलॉक की योजना पटरी से उतर सकती है।

ओलिंपिक आयोजन

जापान ने बढ़ाई वायरस आपातकाल की अवधि

टोक्यो तथा अन्य इलाकों में कोरोना वायरस संक्रमण की रफ्तार अभी इतनी कम नहीं हो पाई है कि देश में लगभग 50 दिन बाद होने जा रहे ओलिंपिक का सुरक्षित तरीके से आयोजन किया जा सके। इसलिए जापान कोरोना वायरस आपातकाल की अवधि को बढ़ाने जा रहा है। आर्थिक पुनरुद्धार मंत्री यासुतोषी निशिमुरा ने बताया कि खासकर टोक्यो और ओसाका में लोग सार्वजनिक रूप से घूम रहे हैं और ऐसा अंदेशा है कि आपातकाल खत्म करने पर संक्रमण तेजी से फैल सकता है

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।